नई दिल्ली। शुक्रवार, 06 नवम्बर, 2026
कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 301/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल भाविना पटेलः पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास...
@ विचार धन और धन्वंतरि : हिंदू संस्कृति में धन एवं आरोग्य...
@ व्यापार शेयर बाजार लगातार छठे दिन तेजी के साथ बंद...

खबर झरोखा

भारत-श्रीलंका के पहले वनडे मैच का बदला वेन्यू



नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाले पहले वनडे मैच के वेन्यू में बदलाव किया गया है। नई दिल्ली में होने वाला पहला वनडे मैच अब विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को इस बात की जानकारी दी है। बीसीसीआई ने बताया कि दिल्ली और जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अनुरोध पर स्थान (वेन्यू) बदल दिया गया है, ऐसा मौसम की संभावित बाधाओं और स्टेडियम में प्रस्तावित नवीनीकरण कार्यों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। पहले एकदिवसीय मुकाबला अब विशाखापट्टनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका के बीच तीन वनडे और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेली जानी है। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 13 दिसंबर, जबकि दूसरा मुकाबला 16 दिसंबर को बेंगलुरु में खेला जाना है।

भारत ने स्वदेशी 'प्रलय' मिसाइल का किया सफल परीक्षण

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताई बड़ी उपलब्धि

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने गुरुवार को स्वदेशी सतह से सतह पर मार करने वाली 'प्रलय' मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी जानकारी दी।

राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि डीआरडीओ ने गुरुवार सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर ओडिशा के तट के पास स्वदेशी रूप से विकसित प्रलय मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह परीक्षण यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल के तहत किया गया। मिसाइल ने निर्धारित सभी उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। विभिन्न रेंज उपकरणों के जरिए जुटाए गए आंकड़ों से इसकी सफलता की पुष्टि हुई है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।



इससे पहले पिछले महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी हाई एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म सिस्टम का सफल उड़ान परीक्षण किया था। इस परीक्षण के दौरान सिस्टम ने 21 किलोमीटर की ऊंचाई हासिल की और लंबे समय तक समताप मंडल (स्ट्रैटोस्फियर) में उड़ान भरने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, प्रायोगिक उड़ान के दौरान प्लेटफॉर्म समुद्र तल से औसतन 21 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचा। इसके बाद इसे 20 किलोमीटर की ऊंचाई पर 30 मिनट से अधिक समय तक संचालित किया गया और फिर जमीन पर वापस उतरने का निर्देश दिया गया। सिस्टम को सुरक्षित रूप से बरामद कर लिया गया और उड़ान के दौरान एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण किया गया।

इस परीक्षण से समताप मंडल में काम करने की प्लेटफॉर्म की क्षमता का प्रदर्शन हुआ। यह क्षेत्र लंबे समय तक निगरानी, संचार और मॉनिटरिंग से जुड़े अभियानों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

उड़ान के दौरान एयरबोर्न प्लेटफॉर्म से ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन तक रियल टाइम वीडियो और विमान के प्रदर्शन से जुड़े आंकड़े लगातार भेजे गए।

केंद्र ने जन्म से ही पात्र दिव्यांग बच्चों के लिए खोला पेंशन का रास्ता, राशि भी बढ़ाईः पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र ने जन्म से ही पात्र दिव्यांग बच्चों के लिए पेंशन का रास्ता खोल दिया है। साथ ही पेंशन की राशि में भी इजाफा किया है।



एशियाई पैरा खेलों में हिस्सा लेकर लौटे खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले कैबिनेट में दिव्यांग जनों की पेंशन को लेकर बड़े निर्णय लिए हैं। हमने पेंशन की राशि बढ़ाई है और दिव्यांगता का मानक 80 प्रतिशत से 40 प्रतिशत कर दिया है। पहले पेंशन के लिए 18 वर्ष की आयु होना जरूरी था, अब जन्म से ही पात्र दिव्यांग बच्चों के लिए पेंशन का रास्ता खोल दिया है।

बीते महीने सरकार ने प्रधानमंत्री दिव्यांगजन पेंशन योजना के तहत दिव्यांग व्यक्ति के लिए पात्रता की न्यूनतम आयु सीमा को हटा दिया था। इससे अब दिव्यांग व्यक्ति जन्म से ही पेंशन के लिए पात्र हो जाता है। इसमें केंद्रीय सहायता भी बढ़ाकर 79 वर्ष तक के लिए 375 रुपए प्रति माह और 80 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के लिए 625 रुपए प्रति माह कर दी गई है। इसके तहत लाभार्थियों की संख्या 8.33 लाख से बढ़कर 27.48 लाख हो गई है।

सरकार के मुताबिक, इस निर्णय से तीन समूहों को लाभ होगा। पहले- वे व्यक्ति जो 40 से 79 प्रतिशत के बीच दिव्यांग प्रमाणित हैं और गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों से हैं। दूसरा - गरीबी रेखा से नीचे के परिवार में ,मानक दिव्यांगता प्रमाण पत्र वाले बच्चे जन्म से ही स्वीकृत मानदंडों के तहत लाभान्वित होंगे, जबकि पहले परिवार को बच्चे के 18 वर्ष का होने तक इंतजार करना पड़ता था। तीसरे- वे व्यक्ति जो पहले से ही पेंशन प्राप्त कर रहे हैं उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत 375 रुपए और 625 रुपए की बढ़ी हुई दरें प्राप्त होंगी।

वर्ष 2011 की जनगणना में भारत में 2.68 करोड़ दिव्यांग व्यक्ति दर्ज किए गए थे, जो जनसंख्या का 2.21 प्रतिशत है। 2016 के अधिनियम की अनुसूची में 21 प्रकार की दिव्यांगताएं निर्धारित की गई हैं।

भारत ने छठी बार जीता एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

सरपंच सेना ने जापान को करीबी मैच में रौंदा



एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने जापान को फाइनल में 4-1 से हराकर छठी बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। गुरुवार को खेले गए इस खिताबी मुकाबले में जापान ने तीसरे ही मिनट में काजुमासा मात्सुमोतो के गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण बना लिया।

भारत की ओर से शीलानंद लाकड़ा ने 42वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर किया, जिसके बाद दिलप्रीत सिंह ने 48वें मिनट, जुगराज सिंह ने 53वें मिनट और विवेक सागर प्रसाद ने 54वें मिनट में शानदार गोल दागकर भारत की जीत को पक्का कर दिया। इससे पहले एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के राउंड-रॉबिन लीग मैच में भी जापान को 4-1 से हराया था।

भारत ने लगाई खिताब की हैट्रिक

भारतीय टीम ने इसके साथ ही टूर्नामेंट में खिताब की हैट्रिक पूरी की। भारतीय टीम इससे पहले 2011, 2016, 2018, 2023 और 2024 में भी यह टूर्नामेंट जीत चुकी है।

भारत ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन तीसरे ही मिनट में जापान ने मात्सुमोतो के गोल से बढ़त बना ली। मात्सुमोतो ने टोमाहॉक शॉट से गोल करके ओलंपियन बलबीर सिंह स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को हैरान कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने तेजी दिखाई और कुछ मौके भी बनाए, लेकिन वे उन्हें गोल में बदलने में नाकाम रहे। 20वें मिनट में जापान को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। लेकिन भारतीय डिफेंस ने शानदार खेल दिखाते हुए जापान के कप्तान राइकी फुजीशिमा को गोल करने से रोक दिया।

अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे उप कप्तान हार्दिक सिंह भारत के मिडफील्ड में स्टार साबित हुए। उन्होंने बेहतरीन तालमेल बिठाते हुए कई मौके बनाए। दूसरी ओर जरमनप्रीत सिंह ने अपने शानदार खेल और कड़ी मेहनत से डिफेंस में चट्टान की तरह मजबूती बनाए रखी। 0-1 से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में अधिक आक्रामक खेल दिखाया और 33वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लेकिन कप्तान हरमनप्रीत सिंह के फ्लिक को जापानी गोलकीपर किशो कुरोदा ने रोक दिया।

जापान की टीम ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 39वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन शोता यामादा की कोशिश से कोई गोल नहीं हो सका। भारत ने जापानी डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और 42वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। आदित्य अर्जुन लालागे के पास पर लकड़ा ने रिबाउंड से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी में विपक्ष



एजेंसी ■ वॉशिंगटन

मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद अब राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके जरिए उन्हें पद से हटाया जा सकता है।

मीडिया के मुताबिक डेमोक्रेट्स आरोप लगा रहे हैं कि ट्रम्प ने अपने पद का इस्तेमाल कर अपने करीबियों को फायदा पहुंचाया और संपत्ति जुटाई। इससे आम लोगों को नुकसान उठाना पड़ा।

डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने कहा है कि वे यह पता लगाएंगे राष्ट्रपति रहते हुए ट्रम्प और उनके परिवार की संपत्ति कैसे बढ़ी। उनका फोकस ट्रम्प के बेटों और दामाद जेरेड कुशनर के कारोबारी सौदों पर है।

गार्सिया ने जांच के लिए पांच मुद्दे तय किए हैं। इनमें ट्रम्प परिवार के कारोबारी सौदे, जेफ्री एपस्टीन मामले की जांच में ट्रम्प प्रशासन की भूमिका और अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी की छापेमारी और कार्रवाई शामिल हैं।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स

हाउस में कुल 435 सीटें हैं। सभी सीटों पर चुनाव हुए। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 242 और ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 151 सीटें जीती हैं। 42 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। डेमोक्रेट्स को जरूरी बहुमत मिल चुका है।

सीनेट

सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी ने 13 सीटें जीती हैं। बाकी 2 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 54 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 44 सीटें हैं।

गवर्नर चुनाव

कुल 36 सीटों में से 34 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। 22 डेमोक्रेट्स और 12 रिपब्लिकन ने सीटें जीती हैं। 2 राज्यों में वोटों की गिनती जारी है।

पाक में पाकिस्तानी सेना की फायरिंग, 7 की मौत



एजेंसी ■ रावलकोट

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के रावलकोट में गुरुवार को प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने फायरिंग की है।

इसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं।

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर भारी मशीनगनों और ड्रोन से हमला किया।

घटना को लेकर अभी तक पाकिस्तानी अधिकारियों का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

तीन जगहों पर प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने का आरोप

UKPNP के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने मटियालमेरा बस टर्मिनल, उमर फारूक चौक और रावलकोट की दूसरी जगहों पर चल रहे धरनों पर कार्रवाई की।

पार्टी ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी के साथ ड्रोन से हमले भी किए। इस दौरान भारी मशीनगनों और बख्तरबंद गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया।

तीर तेवर — सागर कुमार



होटल चेक-इन से गिग वर्कर्स तक, अब बिना पेपर के होगा 'आधार' वेरीफिकेशन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अब होटल में चेक-इन करना हो, अस्पताल में भर्ती होना हो या किसी गिग वर्कर की पहचान सत्यापित करनी हो, इसके लिए आधार कार्ड की फोटोकॉपी देने जरूरत धीरे-धीरे कम होती जाएगी।

यूआईडीएआई ने अपनी डिजिटल व्यवस्था को और मजबूत करते हुए जनवरी से 300 संगठनों को अपने ऑफलाइन वेरिफिकेशन सिस्टम में शामिल कर लिया है। इससे रोजमर्रा की सेवाओं में सहमति-आधारित डिजिटल पहचान सत्यापन का दायरा काफी बढ़ गया है। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब 'आधार एप' काफी लोकप्रिय हो रहा है। इसके लगभग 7.5 करोड़ डाउनलोड हो चुके हैं और 86 लाख से ज्यादा लोग इसका इस्तेमाल आधार केंद्र जाए बिना अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर अपडेट करने के लिए कर रहे हैं।

वेरिफिकेशन पेपरलेस बनाना उद्देश्य

इन 300 संगठनों को ऑफलाइन वेरिफिकेशन सीकिंग एंटिटीज के रूप में पंजीकृत किया गया है। इनमें हॉस्पिटैलिटी, हेल्थकेयर, शिक्षा, इवेंट्स, गिग इकॉनमी और उपभोक्ता सेवाएं शामिल हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कागजी दस्तावेज इकट्ठा करने की जगह डिजिटल सत्यापन अपनाना है, जिससे कागजी काम कम होगा और निजी जानकारी के दुरुपयोग का जोखिम भी घटेगा। इस सिस्टम के तहत, लोग अपनी सहमति देने के बाद एप के जरिए अपनी पहचान का विवरण साझा कर सकते हैं। वे यह चुन सकते हैं कि उन्हें पूरी जानकारी देनी है या केवल चुनिंदा जानकारी। इस प्रक्रिया में उनका 12 अंकों का विशिष्ट पहचान नंबर सत्यापन करने वाले संगठन को नहीं भेजा जाता है। साथ ही, इसके लिए संगठन को यूआईडीएआई के केंद्रीय डेटाबेस से जुड़ने की भी जरूरत नहीं पड़ती।



यह विस्तार यूआईडीएआई के उन प्रयासों का हिस्सा है, जिसके जरिए वह होटलों और अन्य सेवा प्रदाताओं को प्रोत्साहित कर रहा है कि वे फोटोकॉपी के बजाय एप-आधारित डिजिटल पहचान प्रमाण को स्वीकार करें। पिछले साल अप्रैल में यूआईडीएआई ने पहली 100 संस्थाओं को जोड़ा था। सत्यापन की इस पहल के अलावा, एप का इस्तेमाल निजी जानकारी अपडेट करने के लिए भी तेजी से हो रहा है। यूआईडीएआई के अनुसार, लोगों ने इसके जरिए 22.16 लाख बार अपना पता और 40.25 लाख बार अपना ईमेल अपडेट किया है।

‘किसान मितान’ बनेंगे अन्नदाताओं और सरकार के बीच संवाद की मजबूत कड़ी

सीएम विष्णुदेव साय, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर एवं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में ‘किसान मितान’ कार्यशाला का शुभारंभ

विश्व केसरी■





रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डा. ओमप्रकाश देवांगन ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज किसान मोर्चा के प्रदेश भर से आए मंडल अध्यक्षों से खचाखच भरे सभागार में ‘किसान मितान’ कार्यशाला का शुभारंभ दीपप्रज्जवलन तथा राजकीय गीत के साथ हुआ। अतिथियों के स्वागत पश्चात आलोक ठाकुर द्वारा प्रस्तावना उदबोधन दिया गया और एक एप वेबसाईट जिसे किसान मोर्चा के आनंद मिरी ने बनाया है उसका प्रदर्शन कर समझाया गया कि मंडल अध्यक्षों द्वारा कैसे प्रत्येक बूथ में दस किसान मितान बनाना है, और मंच में विराजमान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को उनके मोबाइल से प्रदेश का पहला किसान मितान बनाया गया एवं किरण सिंह देव को दुसरा मितान बनाया गया, देखते ही देखते ग्यारह सौ लोग किसान मितान बन गये, आलोक ठाकुर ने बताया कि यह आनलाइन और आफलाईन भी कार्य करेगा, इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि ‘किसान मितान’ केवल एक दायित्व नहीं है, बल्कि यह अन्नदाताओं के सुख-दुख में सहभागी बनने और उनकी समस्याओं का समाधान करने का एक सशक्त माध्यम है। प्रदेश के करीब 27 हजार मतदान केंद्रों पर दो लाख सत्तर हजार तैनात होने वाले ये किसान मितान सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर के किसान तक पहुंचाएंगे।

इस कार्यक्रम में किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि छत्तीसगढ भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर के नेतृत्व में यहां हर बूथ पर 10-10 कार्यकर्ता जोड़कर संगठन को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार ?3100 प्रति क्विंटल धान खरीदी के वादे को निभा रही है और एक ही किश्त में एकमुश्त राशि किसानो को दे रही है साथ ही वैकल्पिक फसलों के लिए ?15,000 प्रति एकड़ का अनुदान दे रही है, किसानो के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही जनकल्यानकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया, कार्यक्रम मे किरण सिंहदेव ने भी उदबोधन देकर पदाधिकारियो में जोश और उत्साह भर दिया !! इस दौरान मंच में प्रमुख रूप से संगठन महामंत्री करमवीर , शंभूनाथ जी राष्ट्रीय मंत्री , बजरंगी यादव , पिंकी शाह, यशवंत जैन, नवीन मार्कंडेय, अखिलेश सोनी, अशोक बजाज, पूनम चंद्राकर, राकेश तिवारी सहित प्रदेश के सभी मंडल अध्यक्ष , जिलाध्यक्ष, और प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महानदी मीडिया क्लब के पदाधिकारियों ने विधायक शेषराज हरवंश से की सौजन्य मुलाकात



विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण के पदाधिकारियों ने पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान क्लब के उपाध्यक्ष गौरव रायसागर ने ग्राम कचंदा में आयोजित होने वाले लक्ष्मी पूजा कार्यक्रम में विधायक महोदया को विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया।

विधायक शेषराज हरवंश ने आमंत्रण के लिए महानदी मीडिया क्लब के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम में पहुंचने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने क्लब के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को दीपावली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण के अध्यक्ष उग्रेश्वर गोपाल केवट, उपाध्यक्ष गौरव रायसागर, सचिव नीरज शर्मा, कोषाध्यक्ष भरत आदित्य ,सलाहकार श्याम कर्ष, सह सचिव संतराम साहू, सदस्य विनोद साहू एवं खगेंद्र साहू, विधायक प्रतिनिधि नीरज खूंटे तथा घासीराम चौहान उपस्थित रहे।

चित्रकूट और तीरथगढ़ जलप्रपात का मनोरम दृश्य देखकर प्रभावित हुए छात्र-छात्राएं

महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के पत्रकारिता संकाय के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण

विश्व केसरी■



रायपुर (संवाददाता)। रायपुर महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर के पत्रकारिता संकाय के छात्र-छात्राओं का एक समूह 2 नवंबर की देर रात 11:00 बजे शैक्षणिक प्रमाण पर बस्तर के लिए रवाना हुआ यहां पर छात्र-छात्राओं ने विभाग अध्यक्ष डॉ राम प्रसाद दुबे एवं प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी के मार्गदर्शन में तीन स्थानों का भ्रमण किया।

इसमें चित्रकूट जलप्रपात तीर्थंकर जलप्रपात एवं दंतेवाड़ा की मां दंतेश्वरी के दर्शन प्राप्त किया इन तीनों ही स्थान पर 25 से अधिक छात्र-छात्राओं के समूह ने नैसर्गिक रूप से प्राकृतिक सुंदरता मनोरंजन दृश्य और अद्भुत मौसमी बनावट का मजा लिया छात्र-छात्राओं ने पूजा टूर एंड ट्रेवल्स की बस के माध्यम से यह यात्रा को 24 घंटे में पूरी की इस दौरान बस के सफर में छात्रों की अपनी मस्तियां स्वभाव के अनुरूप रही।

जिसमें अंताक्षरी और रिपोर्टिंग के टिप्स अनुभवी पत्रकार जितेंद्र साहू धमतरी के माध्यम से संपादित किए गए वातावरण इतना अच्छा था की अनुभवी पत्रकार हिमांशु लोकेश्वर, यज्ञ सिंह ठाकुर, आकाश पांडे, नैलेश जगत, सुशील जगत के उपस्थिति में नवोदय छात्र-छात्राओं ने अपने को और भी उत्साह में पाया और मस्तियां की जगदलपुर पहुंचने पर आकाश होटल में छात्र-छात्राओं के दल को 2 घंटे का विश्राम मिला यहां पर वरिष्ठ पत्रकार अर्जुन कुमार झा, अग्रवाल के उपस्थिति में भी अनुभव के लाभ को पाया गया।

मां दंतेश्वरी के दर्शन के बाद छात्रों में धार्मिक समर्पण की भी भावना को एक अलग ही रूप में देखा गया जिस छात्र-छात्राएं उत्साह जनक और रोमांच से भरी बताते हैं यहां तक की दोनों जलप्रपात की अनोखे और सुंदर दृश्य में भी छात्रों ने अपने आप को ढाल कर उत्साह की अंतिम बिंदु तक मस्तियां की अनुशासन मैं रहकर छात्र-छात्राओं ने तीरथगढ़ के एक ढाबे में शानदार देसी व्यंजनों का भी मजा लिया जो उन्हें इस दौरे का सबसे अद्भुत पल लगता है, कुल मिलाकर छात्र-छात्राओं ने आपस में इस यात्रा को मेमोरेबल बताते हुए यह कहा है कि पत्रकारिता ने जीवन के चंद घंटे शानदार रहे।

समाज को एक करने का संकल्प स्वयं लेना होगा - भूपेश बघेल

कोसला में सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण एवं भवन का लोकार्पण



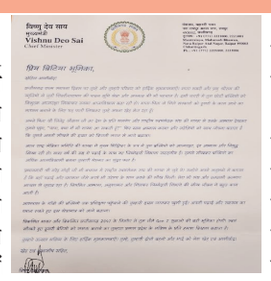
विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर कुर्मी समाज द्वारा कोसला में निर्मित सरदार वल्लभभाई पटेल भवन एवं उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का देश की आजादी में अतुलनीय योगदान है। उन्होंने 565 छोटे-छोटे रियासतों को एक करके एक नए भारत का निर्माण किया। उन्होंने सभी किसानों को संगठित कर अंग्रेजी टैक्स की अवहेलना भी की और सभी को संगठित होना सिखाया। हमें भी बिखरे हुए समाज को संगठित करने का संकल्प स्वयं लेना होगा।कार्यक्रम को जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, जिला पंचायत सदस्य ज्योति किशन कश्यप, दिनेश शर्मा, मंजू सिंह, रवि भारद्वाज भी मंचस्थ थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण व्यास वर्मा एवं संचालन उदल कश्यप ने किया। इस अवसर पर कुर्मी समाज के प्रमुख रामप्रसाद कुर्मी, फिरतराम कुर्मी, राजाराम कश्यप, राजकुमार कश्यप, देवी प्रसाद कौशिक, रूपेश कश्यप, रवि वर्मा, दिलीप कश्यप, अशोक कश्यप, नोखराम वर्मा, रामपुकार कश्यप सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी एवं सामाजिक बंधु उपस्थित थे। इसके पूर्व बारगांव पहुंचने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लव तिवारी के नेतृत्व में ग्राम सरपंच की उपस्थिति में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भव्य स्वागत किया गया। जहां पर दिनेश थवाईत, ललित नायक, रामायण पटेल, योगेश्वर सिंह, पंकज नायक, सुशील तिवारी, विनोद यादव सहित सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित थे।

17 वर्ष की उम्र में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे रही भूमिका

मुख्यमंत्री ने पत्र लिखकर बढ़ाया उत्साह

विश्व केसरी■



शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ की पावन धार्मिक नगरी शिवरीनारायण की बेटी भूमिका के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें व्यक्तिगत पत्र लिखकर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया है। महज 17 वर्ष की उम्र में स्वयं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेने के साथ दूसरी बच्चियों को भी आत्मरक्षा के गुण सिखाने की भूमिका की पहल को मुख्यमंत्री ने सराहनीय बताया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पत्र में लिखा है कि माता शबरी और प्रभु श्रीराम की स्मृतियों से जुड़ी शिवरीनारायण की पावन भूमि सेवा और अपनत्व की भी पहचान है। इसी नगरी में भूमिका छोटी-छोटी बच्चियों को नि:शुल्क आत्मरक्षा सिखाकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा रही हैं। माता-पिता से मिले संस्कारों को दूसरों के काम आने का माध्यम बनाना प्रशंसनीय है।

पत्र में मुख्यमंत्री ने भूमिका के पिता जितेंद्र श्रीवास के देश के प्रति समर्पण और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा से जुड़ाव का भी उल्लेख किया है। उन्होंने बताया कि पिता को शाखा में अभ्यास करते देखकर भूमिका ने भी उनसे पूछा था कि क्या वह भी शाखा में आ सकती हैं। इसके बाद स्वयं अभ्यास करने और अपनी सहेलियों को साथ जोड़ने की उनकी लगन सामने आई।

वर्तमान में भूमिका राष्ट्र सेविका समिति की शाखा में मुख्य शिक्षिका के रूप में बच्चियों को आत्मरक्षा, दंड अभ्यास और नियुद्ध का प्रशिक्षण दे रही हैं। मुख्यमंत्री ने 17 वर्ष की उम्र में पढ़ाई के साथ यह जिम्मेदारी निभाने को सराहनीय बताते हुए कहा कि भूमिका से सीखकर बच्चियों का आत्मविश्वास बढ़ना उनकी मेहनत का सुंदर परिणाम है।

कार्यालय नगर पंच कुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0)

// ईश्तहार//

Email ID-cmochoora@rediffmail.com, Phoen No.-07701266120

क्रमांक / 697 न0प0/राजस्व 2026-27 छुरा, दिनांक 30/10/26

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री वकील मोहम्मद पिता स्व. श्री जान मोहम्मद निवासी छुरा, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय मे नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदक द्वारा स्थान वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भवन का खसरा नंबर 552/158 का टुकड़ा मे से रकबा 288.75 वर्गमीटर, जो कि वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड स्थित भूमि जो कि श्री जान मोहम्मद पिता स्व श्री शेख मोहम्मद निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम पर स्थित है। उक्त भवन का आवेदक द्वारा आपसी बटवारानामा के पश्चात आवेदक के नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईश्तहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुरा
जिला -गरियाबंद (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम कामलेवस अगासेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....36808/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36808
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR715D0034A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **GEETA SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE KEDARNATH SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती चंदा वाधवानी पिता/पति श्री श्रीमती जगदीश वाधवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36773..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36773
वार्ड का नाम 65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561A00317** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MANRA KHAN PATEL** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती 01. श्री तरुण कुमार पटेल, 02. श्री प्रमोद कुमार पटेल, 03. कु. माधुरी पटेल पिता/पति श्री/श्रीमती पिता स्व. मनराखन पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मनराखन पटेल मृत्यु पटेल मृत्यु उपरांत वरिसनो द्वारा पंजीकृत बंटवारानामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36772..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36772
वार्ड का नाम 65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. **RPR561A00316** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MANRA KHAN PATEL** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती 01. श्री तरुण कुमार पटेल, 02. श्री प्रमोद कुमार पटेल, 03. कु. माधुरी पटेल पिता/पति श्री/श्रीमती पिता स्व. मनराखन पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मनराखन पटेल मृत्यु पटेल मृत्यु उपरांत वरिसनो द्वारा पंजीकृत बंटवारानामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36770..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36770
वार्ड का नाम 65- महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662L00304** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **ANAND GUHA S/O DR. B.R. GUHA, TAMLI SEN** पिता/पति श्री श्रीमती **INDRAJEET SEN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SMT. TAMLI SEN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O INDRAJEET SEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/SHAPATH PATR, AADHAR CARD, RAGISTRI, NIGAM TAX** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36769..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36769
वार्ड का नाम 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662L00246** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **CHAMPA BEN SONI** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती श्री कविता सोनी पिता/पति श्री श्रीमती पिता स्व. चिमन लाल सोनी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **shapath patr, adhar card, mrityu praman patr, old ragistri** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36768..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36768
वार्ड का नाम 65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662J00289** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **VINAY KUMAR SHUKLA** पिता/पति श्री श्रीमती **RMAKANAT SHUKLA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्री अनुपम अवस्थी पिता पति श्री/ श्रीमती पिता संतोष कुमार अवस्थी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय क्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36767..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36767
वार्ड का नाम 65- महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. **RPR662B00368** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KAMENDRA GUPTA** पिता/पति श्री श्रीमती **PREM NARAYAN GUPTA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती श्री अजय कुमार पाल पिता पति श्री श्रीमती पिता जगदीश पाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36765..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36765
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227A00141** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PRABHU DAS UKE** पिता/पति श्री श्रीमती **VITHAWAJI UKE** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती मीनाक्षी चौहान पिता/पति श्री श्रीमती बी.ए. चौहान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / वसीयतनामा, टैक्स रसीद, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36764..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36764
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227S00821** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MANOJ CHELLANI AND SONS HUF KARTA MANOJ CHELLANI** पिता/पति श्री श्रीमती **V.K. CHELLANI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती तबसमु बानो पिता/पति श्री श्रीमती शोहेल सेराजी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दीपावली पर कर्नाटक सरकार की दोहरी सौगात, कर्मचारियों का डीए 18 प्रतिशत और किसानों को सूखा राहत

विश्व केसरी■



बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने राज्य सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) 15.75 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को फैसले की घोषणा करते हुए बताया कि सरकार ने 2024 के संशोधित वेतनमान के तहत वेतन पाने वाले कर्मचारियों के लिए डीए बढ़ाने का आदेश जारी कर दिया है। अब डीए की गणना मूल वेतन के 18 प्रतिशत के आधार पर की जाएगी, जो पहले 15.75 प्रतिशत थी।

यह बढ़ोतरी लागू नियमों के अनुसार, राज्य सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों पर भी लागू होगी।

परमेश्वर ने कहा कि सरकारी कर्मचारी प्रशासन की रीढ़ हैं। कर्नाटक की जनता के लिए सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने में उनकी लगन, पेशेवर रवैये और प्रतिबद्धता की अहम भूमिका रही है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के योगदान को भी सराहा, जिन्होंने अपने जीवन के कई दशक जनसेवा और राज्य के विकास में समर्पित कर दिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब जीवन-यापन की लागत बढ़ रही है, यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति और सम्मान की रक्षा करे। डीए में यह बढ़ोतरी उनके योगदान को मान्यता देने के साथ-साथ कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके परिवारों का समर्थन करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

परमेश्वर ने कहा कि सरकार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए भी संकल्पित है कि जनसेवा में उनके योगदान को उचित सम्मान और मान्यता मिले।

कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को दीपावली के मौके पर किसानों को सूखा राहत की पहली किस्त जारी की। साथ ही यह भी घोषणा की कि अगले कुछ दिनों में 2,500 रुपए की एक और किस्त जारी की जाएगी, जिससे प्रति किसान कुल सहायता राशि 5,000 रुपए हो जाएगी।

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उपमुख्यमंत्री तथा राजस्व मंत्री जी. परमेश्वर ने बेंगलुरु के विधानसौधा में पहली किस्त जारी करने की प्रक्रिया की शुरुआत की। सरकार ने इनपुट सब्सिडी के पहले चरण के लिए 1,260 करोड़ रुपए जारी किए हैं। यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सीधे पात्र किसानों के खातों में भेजी जाएगी।

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि सरकार ने दो एकड़ तक की जमीन के लिए प्रति एकड़ 2,500 रुपए देने का फैसला किया है। इस तरह एक किसान को अधिकतम 5,000 रुपए की सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि पहली किस्त के रूप में 2,500 रुपए जारी किए जा रहे हैं, और बाकी के 2,500 रुपए आने वाले दिनों में दिए जाएंगे।

फूड फैक्ट : स्नैक्स खरीदने से पहले पलटें पैकेट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। बाजार में मिलने वाले चिप्स, बिस्कुट, नमकीन, इंस्टेंट नूडल्स और दूसरे पैक्ड फूड आइटम्स की पैकेजिंग इतनी आकर्षक होती है कि उन्हें देखकर खरीदने का मन हो जाता है।

कई बार पैकेट पर बड़े-बड़े अक्षरों में हेल्दी, लो फैट, नेचुरल और शुगर फ्री जैसे दावे भी किए जाते हैं। लेकिन पैकेट के सामने लिखी ये बातें किसी खाद्य पदार्थ की पूरी सच्चाई नहीं बतातीं। असल जानकारी तो पैकेट के पीछे दिए गए फूड लेबल में छिपी होती है।

इसको लेकर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लोगों को जागरूक किया है। मंत्रालय ने बताया कि किसी भी पैकेटेड फूड को खरीदते समय उसकी आकर्षक पैकेजिंग या बड़े-बड़े दावों पर भरोसा करने के बजाय उसके लेबल को ध्यान से पढ़ना चाहिए। खासतौर पर उसमें मौजूद शुगर, सोडियम और सैचुरेटेड फैट की मात्रा जरूर देखनी चाहिए। इससे आप अपनी सेहत को ध्यान में रखते हुए बेहतर विकल्प चुन सकते हैं। पैकेटेड फूड खरीदते समय सबसे पहले उसमें मौजूद शुगर की मात्रा पर ध्यान दें। कई बार ऐसे खाद्य पदार्थ भी मीठे होते हैं, जिनका स्वाद बहुत ज्यादा मीठा नहीं लगता। बिस्कुट, फ्लेवर्ड ड्रिंक्स और दूसरे पैक्ड स्नैक्स में अतिरिक्त चीनी हो सकती है। ज्यादा चीनी का सेवन वजन बढ़ने, दांतों की समस्याओं और डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकता है। इसलिए खरीदारी से पहले लेबल जरूर पढ़ें।

सोडियम आमतौर पर नमक में पाया जाता है। चिप्स, नमकीन, इंस्टेंट नूडल्स और प्रोसेस्ड फूड में इसकी मात्रा ज्यादा हो सकती है। जरूरत से ज्यादा सोडियम का सेवन हाई ब्लड प्रेशर और दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ा सकता है। इसलिए पैकेट पर लिखी सोडियम की मात्रा जरूर चेक करें।

पैकेटेड स्नैक्स खरीदते समय सैचुरेटेड फैट की मात्रा देखना भी जरूरी है। इसका अधिक सेवन शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए ऐसे खाद्य पदार्थों को चुनें, जिनमें सैचुरेटेड फैट की मात्रा कम हो।

सेबी ने करेंसी डेरिवेटिव्स नियम आसान किए, 5 मिलियन डॉलर की सीमा तय की

विश्व केसरी■



मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने करेंसी डेरिवेटिव्स नियमों में सख्ती को कम करते हुए अनहेजेड करेंस पॉजिशन के लिए 5 मिलियन डॉलर की सीमा तय कर दी है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी सर्कुलर में दी गई।

इस फैसले से घरेलू निवेशक और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) 5 मिलियन डॉलर तक की अनहेजेड भारतीय रुपया करेंसी पोजीशन ले सकेंगे। यह 5 मिलियन डॉलर की सीमा किसी भी समय के आउटस्टैंडिंग एक्सपोजर पर भी लागू होगी।

इस सीमा की गणना सभी भारतीय रुपया करेंसी पेयर (अन्य विदेशी करेंसी) को मिलाकर की जाएगी। सभी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों पर मौजूद पोजीशन को एक साथ जोड़ा जाएगा।

सर्कुलर के मुताबिक, विदेशी मुद्रा-भारतीय रुपया कॉन्ट्रैक्ट्स में, एफपीआई की शॉर्ट पोजीशन किसी भी एक्सचेंज पर 5 मिलियन डॉलर से अधिक नहीं होनी चाहिए।

वहीं, 5 मिलियन डॉलर से अधिक की लॉन्ग पोजीशन लेने के लिए, एफपीआई को भारतीय डेट या इक्विटी प्रतिभूतियों मेंअंडरलाइंग एक्सपोजर की आवश्यकता होगी।

इक्विटी और डेट म्यूचुअल फंड यूनिट्स भी एफपीआई के लिए अंडरलाइंग एक्सपोजर के रूप में मान्य हैं। घरेलू क्लाइंट आरबीआई की निर्धारित शर्तों के अधीन 5 मिलियन डॉलर से अधिक की पोजीशन ले सकते हैं।

इससे पहले सेबी ने बुधवार को भारत से बाहर रहने वाले व्यक्तियों (पीआरओआई) के लिए केवाईसी संबंधी नियमों में ढील दी है।

'कोई तकलीफ नहीं, तो कैसा नुकसान' -इस वहम में न रहें बिना लक्षण के भी फेफड़ों में जहर भर देता है खराब आईक्यूआई

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। हम अक्सर सोचते हैं कि प्रदूषण का असर महीनों या सालों में होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक खराब एयर क्वालिटी वाले दिन में बिताए गए महज कुछ घंटे ही आपके शरीर के अंदर उथल-पुथल मचाने के लिए काफी हैं?

जी हां, जैसे ही आप इस जहरीली हवा में सांस लेते हैं, आपके फेफड़े तुरंत खतरे का अलार्म बजाने लगते हैं। बताती हैं कि जब हवा में सूक्ष्म कणों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, तो हमारा रेस्पिरेटरी सिस्टम सिर्फ कुछ ही घंटों में इसके सीधे निशाने पर आ जाता है। आइए जानते हैं कि इस हवा में सांस लेने के बाद शरीर के अंदर आखिर क्या-क्या बदलता है।

शुरुआती घंटों में दिखने वाले संकेत

खराब हवा में कुछ घंटे बिताने के बाद ही आंखों से पानी आना, नाक-गले में खराश, खांसी, सीने में भारीपन या सांस लेते समय



सीटी जैसी आवाज महसूस हो सकती है। अस्थमा, सीओपीडी या दिल की बीमारियों वाले लोगों पर इसका सबसे जल्दी और बुरा असर पड़ता है। एक अहम बात यह भी है कि अगर आपको कोई लक्षण महसूस नहीं हो रहा है, तो इस गलतफहमी में न रहें कि प्रदूषित हवा आपको कोई नुकसान नहीं पहुंचा रही है।

शरीर के कुदरती सुरक्षा चक्र को भी भेद देता है PM2.5

वायु प्रदूषण में सबसे खतरनाक चीज PM2.5 है। ये कण आकार में 2.5 माइक्रोमीटर या उससे भी छोटे होते हैं। वैसे तो हमारा शरीर बाहरी कचरे को बाहर निकालने में सक्षम होता है, लेकिन ये कण इतने बारीक होते हैं कि ये शरीर के प्राकृतिक सुरक्षा घेरे को पार करके फेफड़ों की गहरी परतों तक पहुंच जाते हैं। ये सीधे 'एल्विओलाई' में जाकर जम जाते हैं, जिन सूक्ष्म थैलियों से ऑक्सीजन खून में मिलती है।

स्थायी रूप से घट जाती है सांस लेने की ताकत

एक बार जब ये बारीक कण फेफड़ों में जम जाते हैं, तो वे शरीर में सूजन और 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' पैदा करते हैं। शरीर जब किसी चोट या जलन के खिलाफ अपनी रक्षा करता है, तो वहां सूजन आ जाती है। वहीं, 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस' तब होता है जब नुकसान पहुंचाने वाले कण इतनी तेजी से जमा होते हैं कि शरीर उन्हें खत्म नहीं कर पाता। बार-बार इस तरह की हवा का सामना करने से फेफड़े अंदर से छिलने लगते हैं, जिससे फेफड़ों की काम करने की क्षमता गिर जाती है और सांस की पुरानी बीमारियां जन्म लेती हैं।

सिर्फ फेफड़ों नहीं, दिल पर भी पड़ता है असर

प्रदूषण का प्रभाव केवल सांस की नली तक सीमित नहीं रहता। ये बारीक कण हमारी खून की नलियों के काम करने के तरीके को भी बिगाड़ देते हैं।

नये मिशन के लिए रवाना हुआ भारतीय युद्धपोत आईएनएस तरकश

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तरकश ने मॉरीशस के पोर्ट लुई में अपना अभियान पूरा कर लिया है। इस अभियान के दौरान भारतीय अधिकारियों ने मॉरीशस के गृह मामलों की सचिव से मुलाकात की। समुद्री सुरक्षा का अभ्यास किया। मॉरीशस के पुलिस कमिश्नर इस दौरान भारतीय युद्धपोत का दौरा किया।

मॉरीशस में अभियान पूरा करने के बाद अब यह भारतीय युद्धपोत अगले अभियान के लिए मॉरीशस से रवाना हो गया है। यहां भारतीय जहाज के चालक दल ने न केवल मॉरीशस के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की, बल्कि वहां के तटरक्षक बल के साथ प्रशिक्षण और संयुक्त समुद्री निगरानी अभियान में भी हिस्सा लिया। इस दौरान दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में कई गतिविधियां हुईं।

गुरुवार को भारतीय नौसेना ने बताया कि आईएनएस तरकश के कमांडिंग ऑफिसर ने मॉरीशस के गृह मामलों की सचिव कान ओये फोंग और पुलिस आयुक्त रामप्रसाद सूरूजबली से मुलाकात की। मॉरीशस के पुलिस आयुक्त ने जहाज का दौरा भी किया। उन्होंने यहां भारतीय नौसेना के अधिकारियों एवं जवानों से बातचीत की।

इस यात्रा का एक खास पड़ाव 2026 के आप्रवासी दिवस से जुड़ा आयोजन रहा। आईएनएस तरकश पर इस अवसर पर सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मॉरीशस सरकार के शिक्षा एवं मानव संसाधन मंत्री डॉ. महेंद गंगापरसाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मॉरीशस में भारत के उच्चायुक्त अनुराग श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य लोग भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। जहाज के चालक दल ने दो नवंबर को अप्रवासी दिवस की 192वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

गुजरातः 32,000 से अधिक आदिवासी लाभार्थियों को 1,500 करोड़ रुपए मिलेंगे

विश्व केसरी■



गांधीनगर। गुजरात में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के उपलक्ष्य में 12 से 18 नवंबर तक एक सप्ताह तक चलने वाले समारोह के दौरान, 32,000 से अधिक आदिवासी लाभार्थियों को लगभग 1,500 करोड़ रुपए की विकास सहायता मिलेगी।

राज्य-स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 15 नवंबर को छोटा उदेपुर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के तहत, 17,000 से अधिक आदिवासी किसानों को 'वन अधिकार अधिनियम, 2006' के अंतर्गत लाभ प्रदान किए जाएंगे।

इस कार्यक्रम को गुरुवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री पटेल की अध्यक्षता में हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में अंतिम रूप दिया गया।

इस बैठक में आदिवासी विकास मंत्री नरेश पटेल, पूर्व मंत्री और वरिष्ठ आदिवासी नेता गणपत वसावा, मुख्य सचिव एम.के. दास और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

यह आयोजन 14 आदिवासी जिलों के 55 विधानसभा क्षेत्रों के साथ-साथ 20 गैर-आदिवासी जिलों और 17 नगर निगमों में किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी वलसाड में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे, जबकि राज्य भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा 15 नवंबर को दाहोद में कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुंडा के योगदान और आदिवासी समुदायों के लिए उनके महत्व को सम्मान देना है।

आदिवासी विकास विभाग इसका मुख्य आयोजक होगा, जबकि अन्य सरकारी विभाग सह-आयोजक के रूप में इसमें शामिल होंगे।

कार्यक्रमों की शुरुआत 13 नवंबर को 14 आदिवासी जिलों के 55 विधानसभा क्षेत्रों में 'युवा संवाद सम्मेलनों' के साथ होगी।

14 नवंबर को बिरसा मुंडा और अन्य आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं के पास स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे और पूजा-अर्चना की जाएगी।

6जी तकनीक 2040 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में 1.24 ट्रिलियन डॉलर का योगदान कर सकती है: उद्योग जगत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। छठी पीढ़ी की मोबाइल संचार तकनीक यानी 6जी वर्ष 2040 तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में 1.24 ट्रिलियन डॉलर का अतिरिक्त योगदान कर सकती है। हालांकि यदि सरकारें पर्याप्त स्पेक्ट्रम उपलब्ध नहीं कराती हैं तो इस संभावित आर्थिक लाभ का बड़ा हिस्सा जोखिम में पड़ सकता है। यह जानकारी गुरुवार को उद्योग संगठन जीएसएमए की एक रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के अनुसार, अगली पीढ़ी के मोबाइल नेटवर्क आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), औद्योगिक स्वचालन, इमर्सिव डिजिटल सेवाओं और उन्नत कनेक्टिविटी के माध्यम से 2040 तक वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 0.7 प्रतिशत के बराबर योगदान दे सकते हैं।

हालांकि रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि बड़े पैमाने पर 6जी नेटवर्क तैनाती के लिए पर्याप्त स्पेक्ट्रम उपलब्ध नहीं कराया गया, तो अनुमानित आर्थिक मूल्य का करीब 42 प्रतिशत, यानी लगभग 520 अरब डॉलर, हासिल नहीं हो सकेगा।

जीएसएमए के मुख्य नियामक अधिकारी जॉन जिउस्ती ने कहा कि आने वाले कुछ वर्षों में स्पेक्ट्रम नीति से जुड़े फैसले यह तय करेंगे कि 6जी तकनीक से मिलने वाली आर्थिक संभावनाओं का कितना लाभ वास्तव में प्राप्त किया जा सकेगा। रिपोर्ट के अनुसार, 6जी से सबसे अधिक लाभ विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और वित्तीय सेवाओं क्षेत्रों को मिलने की संभावना है। अनुमान है कि कुल आर्थिक योगदान में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत और वित्तीय सेवाओं की 19 प्रतिशत होगी। इसके अलावा निर्माण क्षेत्र 13 प्रतिशत और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) क्षेत्र 12 प्रतिशत योगदान दे सकता है। यह रिपोर्ट 2027 में आयोजित होने वाले विश्व रेडियो संचार सम्मेलन से पहले जारी की गई है। इस सम्मेलन में उभरती तकनीकों के लिए भविष्य के स्पेक्ट्रम आवंटन पर महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

जीएसएमए का कहना है कि 6जी तकनीक पिछले मोबाइल नेटवर्क संस्करणों से काफी अलग होगी। इसका विकास एआई केंद्रित क्षमताओं के आधार पर किया जा रहा है, जिससे नेटवर्क बुद्धिमान निर्णय लेने, एकीकृत सेंसिंग कार्यों और स्थलीय तथा उपग्रह-आधारित नेटवर्कों के बीच सहज कनेक्टिविटी प्रदान करने में सक्षम होंगे।

रिपोर्ट में बताया गया है कि एआई-आधारित कनेक्टिविटी, औद्योगिक रोबोटिक्स, उन्नत ब्रॉडबैंड सेवाएं, एकीकृत सेंसिंग तकनीकें और गैर-स्थलीय नेटवर्क भविष्य की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख चालक होंगे।

यूरोप में बम की धमकियों से हवाई सेवाएं प्रभावित

विश्व केसरी■



लंदन। यूरोप के कई देशों में गुरुवार को एक दर्जन से अधिक यात्री विमानों को बम की धमकियां मिलीं, जिसके कारण कई उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ा और विभिन्न हवाई अड्डों पर व्यापक सुरक्षा जांच की गई।

एयर लिंगस का एक एयरबस ए320 विमान जो डबलिन से रोम जा रहा था, उसे बम की धमकी मिलने के बाद फ्रांस के एब्रू स्थित एक सैन्य एयरबेस पर उतारा गया। विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और उसमें सवार 151 यात्रियों तथा छह चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इसके बाद सैन्य बम निरोधक दस्तों ने विमान की जांच की।

बुल्गारिया में राजधानी सोफिया जाने वाली रयानएयर की तीन उड़ानों को गुरुवार सुबह बम की धमकियां मिलीं। कोपेनहेगन और मैड्रिड से आने वाली उड़ानें सुरक्षित रूप से सोफिया पहुंच गईं, जबकि लंदन स्टैनस्टेड से आ रही एक उड़ान को प्लोवदिव हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया। जांच के दौरान किसी भी विमान में कोई खतरनाक वस्तु नहीं मिली।

पोलैंड में पेरिस जाने वाली एलओटी पोलिश एयरलाइंस की एक उड़ान को वारसॉ चोपिन हवाई अड्डे पर रनवे की ओर बढ़ते समय रोक दिया गया। विमान में संदिग्ध वस्तु होने की सूचना मिलने के बाद उसे जांच के लिए अलग स्थान पर ले जाया गया और एक रनवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। हालांकि, जांच में कोई खतरनाक वस्तु नहीं मिली और बाद में हवाई अड्डे का संचालन सामान्य हो गया।

एलओटी की एक अन्य उड़ान को भी सुरक्षा संबंधी धमकी मिली, ये विमान वारसॉ से ब्रुसेल्स जा रहा था। विमान सुरक्षित रूप से ब्रुसेल्स हवाई अड्डे पर उतरा, जहां अतिरिक्त जांच में भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई।

इटली के मिलान से वारसॉ जा रही विज एयर की एक उड़ान को बम की धमकी के बाद वियना की ओर मोड़ दिया गया। वहीं हेलसिंकी से रोम और वियना जा रही फिनएयर की दो उड़ानें भी निशाने पर रहीं।

संपादकीय

धनतेरसः धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व



ललित गर्ग

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह



अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है।

धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं।

धन और धन्वंतरि : हिंदू संस्कृति में धन एवं आरोग्य समृद्धि का पर्व धनतेरस



आचार्य ललित मुनि

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनत्रयोदशी अथवा धनतेरस कहा जाता है। इस दिन लोग सोने चांदी के जेवरों के साथ गृहस्थ की आवश्यक वस्तुएं खरीदना शुभ मानते हैं। हिन्दू संस्कृति में धन का अर्थ केवल मुद्रा, सोना, चांदी अथवा संपत्ति कभी नहीं रहा, स्वस्थ शरीर, दीर्घायु, अन्न, जल, पशुधन, परिवार, ज्ञान और प्रकृति की संपदा भी धन के ही रूप माने गए हैं। इसलिए धनतेरस को भगवान धन्वंतरी की जयंती होने के कारण आरोग्य का पर्व भी माना जाता है।

धनतेरस को भगवान धन्वंतरि की जयंती भी भारत में सभी स्थानों पर मनाई जाती है। पुराणों में वर्णित समुद्र मंथन की कथा में धन्वंतरि का प्राकट्य अमृत कलश के साथ हुआ है। देवताओं और असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन से अनेक रत्न निकले। उन्हीं में भगवान धन्वंतरि भी प्रकट हुए, जिनके हाथों में अमृत से भरा कलश था। श्रीमद्भागवत महापुराण के आठवें स्कंध में इस प्रसंग का वर्णन मिलता है।

धन्वंतरि के हाथों में अमृत कलश की कल्पना अपने आप में अर्थपूर्ण है। अमृत का संबंध जीवन से है और जीवन का सबसे बड़ा आधार आरोग्य है। धन-संपत्ति होने पर भी यदि शरीर रोगों से घिरा हो, मन अशांत हो और जीवन में सुख का अनुभव न हो तो उस संपन्नता का अर्थ अधूरा रह जाता है। धन्वंतरि की आराधना इस बात की याद दिलाती है कि समृद्धि की शुरुआत स्वस्थ जीवन से होती है। कालिदास ने कुमारसंभव में शरीर के महत्व को एक छोटे से श्लोक में अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त किया है।

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम।

अर्थात शरीर ही धर्म और जीवन के सभी कर्तव्यों को पूरा करने का पहला साधन है। शरीर रहेगा तभी मनुष्य अपने कर्तव्यों का पालन कर सकेगा, परिवार की जिम्मेदारी निभा सकेगा और समाज के लिए उपयोगी कार्य कर सकेगा। इस दृष्टि से आरोग्य केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि जीवन की समस्त उपलब्धियों का आधार है।

आयुर्वेद की परंपरा में धन्वंतरि का स्थान अत्यंत आदर का है। उन्हें देवताओं का वैद्य कहा गया है। काशी के राजा दिवोदास को भी धन्वंतरि की परंपरा से जोड़ा जाता है। सुश्रुत संहिता में वर्णित शल्य चिकित्सा की परंपरा का संबंध दिवोदास धन्वंतरि से माना जाता है। भारतीय चिकित्सा ज्ञान में रोगों की पहचान, शरीर की बनावट, औषधियों के प्रयोग और शल्य चिकित्सा का जो विस्तार मिलता है, वह इस परंपरा की समृद्धि का परिचायक है। सुश्रुत संहिता में स्वस्थ मनुष्य की जो परिभाषा दी गई है, वह आज भी ध्यान देने योग्य है।

समदोषः समाग्निश्च समधातुमलक्रियः।
प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थ इत्यभिधीयते॥

अर्थात जिसके वात, पित्त और कफ संतुलित हों, पाचन अग्नि ठीक हो, शरीर की धातुओं और मल की क्रियाएं सामान्य हों तथा



आत्मा, इंद्रियां और मन प्रसन्न हों, वही वास्तव में स्वस्थ है। यहां स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोग का न होना नहीं है। शरीर के साथ मन और इंद्रियों की प्रसन्नता को भी महत्व दिया गया है। भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण ने भोजन, व्यवहार और दिनचर्या में संतुलन को महत्व दिया है।

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा॥ (6.17)

अर्थात उचित मात्रा में भोजन और विहार करने वाले, अपने कर्मों में संतुलित रहने वाले तथा सोने और जागने में नियमितता रखने वाले मनुष्य का योग उसके दुखों को दूर करने वाला होता है। धनतेरस पर धन्वंतरि का स्मरण करते समय यह श्लोक बताता है कि स्वस्थ जीवन केवल औषधियों से नहीं, बल्कि संयमित दिनचर्या से भी जुड़ा है।

धनतेरस पर नई वस्तु खरीदने की परंपरा भी इसी समृद्धि की कामना से जुड़ी है। घरों में पीतल, तांबे, कांसे और चांदी के बर्तन लाने की मान्यता है। कुछ स्थानों पर लोग सोना-चांदी खरीदते हैं तो कहीं नई झाड़ू खरीदने का भी रिवाज है। झाड़ू को घर की स्वच्छता और दरिद्रता दूर करने का प्रतीक माना जाता है। कहीं धन्वंतरि की पूजा होती है, कहीं लक्ष्मी और कुबेर की आराधना की जाती है तो कहीं व्यापारी अपने बही-खातों और तराजू की पूजा करते हैं। इन लोकपरंपराओं का स्वरूप क्षेत्र और परिवार के अनुसार बदलता रहता है।

धनतेरस की एक और सुंदर परंपरा यमदीपदान की है। संध्या के समय घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक जलाया जाता है। इसके पीछे अकाल मृत्यु से परिवार की रक्षा की लोककामना जुड़ी हुई है। राजा हिम के पुत्र और उनकी बुद्धिमती पत्नी की कथा भी इसी अवसर पर सुनाई जाती है। लोककथा के अनुसार विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु सर्पदंश से होने की भविष्यवाणी थी। पत्नी ने उस रात घर के द्वार पर सोना-चांदी और आभूषण रखकर दीपक जलाए तथा गीत और कथाओं से पूरी रात जागरण किया। सर्प के रूप में आए यमराज दीपों और आभूषणों की चमक से आगे नहीं बढ़ सके और राजकुमार का जीवन बच गया। इसी लोकविश्वास से यमदीपदान की परंपरा को जोड़ा जाता है। इस कथा में मृत्यु के भय के सामने जीवन के प्रति प्रेम, सजगता और मंगलकामना का भाव दिखाई देता है। दीपक यहां परिवार के सुरक्षित और दीर्घ जीवन की कामना का प्रतीक बन जाता है।

धनतेरस का एक पक्ष ऐसा भी है, जिस पर आज अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। धन्वंतरि की आराधना का संबंध औषधियों और वनस्पतियों से भी है। आयुर्वेद में वनस्पतियों को रोगों के उपचार का महत्वपूर्ण साधन माना गया है। हमारे जंगलों में मिलने वाली गिलोय, हरड़, बहेड़ा, आंवला, नीम, अश्वगंधा और अनेक दूसरी वनस्पतियां औषधीय उपयोग के लिए जानी जाती हैं। वनवासी और ग्रामीण समाज में पीढ़ियों से वनौषधियों के उपयोग का ज्ञान संचित होता आया है। जंगल के किसी पेड़ की छाल, पत्ती, जड़ अथवा फल का उपयोग किस परिस्थिति में किया जाए, यह जानकारी स्थानीय वैद्यों और परंपरागत जानकारों के अनुभव में सुरक्षित रही है। भगवद्गीता का एक श्लोक प्रकृति, वर्षा और अन्न के बीच के संबंध को बहुत सुंदर ढंग से सामने रखता है।

अन्नाद्भवन्ति भूतानि पर्जन्यादन्नसम्भवः।
यज्ञाद्भवति पर्जन्यो यज्ञः कर्मसमुद्भवः॥ (3.14)

अर्थात समस्त प्राणी अन्न से उत्पन्न और पोषित होते हैं, अन्न की उत्पत्ति वर्षा से होती है और वर्षा का संबंध यज्ञ तथा कर्म से है। इस श्लोक में जीवन के आधारों की परस्पर निर्भरता का भाव निहित है। अन्न, जल और प्रकृति के बिना मनुष्य की समृद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती।

लक्ष्मी की आराधना और धन्वंतरि की पूजा को साथ रखकर देखें तो भारतीय संस्कृति में समृद्धि की एक सुंदर तस्वीर सामने आती है। लक्ष्मी अन्न, धन, वैभव और सौभाग्य की प्रतीक हैं, जबकि धन्वंतरि आरोग्य और जीवन रक्षा के स्मरण कराते हैं। दोनों के बीच कोई विरोध नहीं है। धन हो, लेकिन स्वास्थ्य भी हो। घर में संपन्नता हो, लेकिन मन में संतोष भी हो। भंडार अन्न से भरा हो, लेकिन पड़ोसी की थाली खाली न रहे। यही समृद्धि का व्यापक भाव है।

पहले भी हुआ है अमेरिका में नीलाकाश

राकेश अचल

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव ने न सिर्फ अमेरिका का राजनीतिक भूगोल बदला है बल्कि पूरी दुनिया के राजनीतिक परिदृश्य पर भी असर डाला है.लेकिन अअमेरिका इस तरह की राजनीतिक सूनामियों का मुकाबला करने का आदी हो चुका है.

ट्रंप के साथ 2026 के मध्यावधि चुनाव में जो नीली लहर की वजह से बड़ा उलटफेर हुआ, वैसा कई अन्य राष्ट्रपतियों के साथ भी हो चुका है।?

2026 में क्या हुआ?

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बीच (नवंबर 2026) मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट्स ने दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) का नियंत्रण छीन लिया। रिपब्लिकन पार्टी को टेक्सास, कंसास, साउथ कैरोलिना जैसे गढ़ों में भी सीटें गंवानी पड़ीं। इसे ट्रंप और उनकी एजेंडा के खिलाफ 'ऐतिहासिक उलटफेर या 'नीली सुनामी' कहा जा रहा है।?

अमेरिका में हुए ताजा उलटफेर का अतीत खंगाला तो पता चला कि मध्यवधि चुनाव की वजह से बिना नख-दंत के होने वाले डोना ट्रंप कोई पहले राष्ट्रपति नहीं हैं.इतिहास में कितने ही राष्ट्रपतियों के साथ ऐसा हुआ?

अमेरिका का अतीत बताता है कि अमेरिका में सत्तारूढ राष्ट्रपति की पार्टी मध्यावधि चुनाव में ज्यादातर सीटें गंवाती है। 1946 से 2022 तक 20 मध्यावधि चुनावों में से 18 में राष्ट्रपति की पार्टी ने हाउस की सीटें खोईं ।लेकिन ट्रंप की भांति दोनों सदन एक



साथ गंवाने के मामले कम हैं।?

सीनेट और हाउस आफ रिप्रिजेंटिव्हस दोनों सदन एक साथ गंवाने वाले प्रमुख मामले ग्रोवर क्लीवलैंड (1894) के जमाने से होते आए हैं.19118 में वुडरो विल्सन,1946 में हैरी ट्रूमैन बड़े नुकसान का सामना कर चुके थे.1954 में ड्वाइट आइजनहावर 1994 में बिल क्लिंटन 2006 में जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के साथ भी यही सब हुआ जो 2026 में डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुआ. फेरबदल की ये 7वीं सुनामी कही जा सकती है.

अमेरिका की राजनीति में ट्रंप की तरह बड़े नुकसान वाले अनेक उदाहरण मौजूद हैं.मुझे याद है कि 2010 में बराक ओबामा ने हाउस में 63-64 सीटें गंवाईं थीं जो सबसे बड़े आधुनिक नुकसान में से एक घटना है. ।1994 में बिल क्लिंटन ने 54 हाउस सीटें खो दी थीं.। ट्रंप खुद अपने पहले कार्यकाल 2018) में हाउस में 940-42 सीटें गंवा कर , नियंत्रण खो चुके हैं.

इतिहास गवाह है कि 1958 में आइजनहावर 1974 में , फोर्ड,1946 में ट्रूमैन आदि में भी बड़े नुकसान झेले.पद पर रहकर बढत हासिल करने के अपवाद बहुत कम हैं — जैसे 1998 में क्लिंटन 1998 और 2002 में बुश की पार्टी ने सीटें बढ़ाईं।थीं.

लब्बोलुआब ये कि अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति की पार्टी का नुकसान आम बात है लेकिन दोनों सदन एक साथ गंवाना दुर्लभ है, अमेरिका के ताजे उलटफेर का असर दुनिया की राजनीति,युद्ध,व्यापार,विदेशनीति,पर्यावरण,बाजार सब पर पडता है.अमेरिका की सरपरस्ती में राज करने वाली सरकारें भी इसस प्रभावित होती हैं.भारत,इजराइल,ईरान,पाकिस्तान ट्रंप के नख दंत विहीन होने से प्रभावित हुए नहीं रह सकते.

ट्रंप के साथ जो हुआ उसमें अप्रत्याशित कुछ भी नहीं है.ये तो होना ही था.इसे कोई रोक नहीं सकता था,खुद ट्रंप भी.हकीकत ये है कि ट्रंप साहब आत्ममुग्धता के शिकार हो गए थे.वे अखिल विश्व के सम्राट बनने का ख्वाब देख रहेथे.वेनेजुएला,ईरान,फिलिस्तीन के साथ ट्रंप ने जो किया वो किसी से छिपा नहीं है।

कविता

धनतेरस



मोनिका डागा 'आनंद'

पंच-दिवसीय पर्व की हुई है
मांगलिक शुरुआत,
उत्सव की रंगत से
महके है मन के पारिजात ।

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि
मनाते हैं धनतेरस,
धन्वंतरि देव लुटाते आरोग्यता
का अमिय रस,
धन कुबेर और महालक्ष्मी जी
का पूजन-अर्चन,
सौभाग्य जगाएं और करें
धन-धान्य से सम्पन्न,
व्यापार संग जीवन में हो
'आनंद' की बरसात,
उत्सव की रंगत से
महके है मन के पारिजात ।

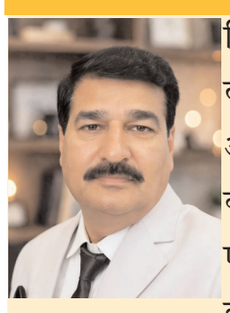
सोने-चाँदी या पीतल का
सामान, खड़ा धनिया,
मूरत लक्ष्मी-गणेश की
खरीदतें गृहस्थ बनिया,
देव स्थानों, तटों और घरों में
दीपों की कतार,
हर ओर है सुनहरी रोशनी की
चमक और प्यार,
त्योहारों की रौनक से जगमग
है हाट दिन-रात,
उत्सव की रंगत से
महके है मन के पारिजात ।

हो फलीभूत सच्ची आस्था
और पक्का विश्वास,
निरोगी शरीर और सात्विक
सुख यश-कीर्ति की आस,
सुख-समृद्धि वैभव की देवी
विष्णु प्रिया हो वरदा,
पाएं धनवंतरी, यक्षराज कुबेर
से संपदा,
कृपा से ईश की हुए निर्मल
अंतरंग जज़्बात,
उत्सव की रंगत से
महके है मन के पारिजात ।

-चेन्नई

कविता

'दीपोत्सव - फिर से जल उठे दीये'



प्रवीण कुमार

फिर से आई है
दीपों की रात,
अंधियारे से लड़ने
की बात,
एक दीया तुलसी
के पास धरो,
एक दीया मन के
द्वार धरो।

ये दीये सिर्फ मिट्टी के नहीं,
ये सदियों के विश्वास हैं,
जब राम अयोध्या लौटे थे,
उसी खुशी के एहसास हैं।

किसी कोने में कोई रो रहा है,
उसके घर भी एक दीया दे आओ,
जिसकी झोली है खाली पड़ी,
उसमें खुशी का तेल भर जाओ।

दीपोत्सव 2026 ये कहता है,
सिर्फ घर नहीं, मन भी साफ करो,
नफरत का जो अंधेरा है दिल में,
उसको भी तो माफ करो।

आओ इस बार ऐसा दीप जलाएं,
जो कभी बुझ न पाए,
दीया जले तो सिर्फ आंगन में नहीं,
हर दिल में उजाला हो जाए।

व्यंग्य केसरी

कहानी पाठ...



विवेक रंजन श्रीवास्तव

सभागार में महिला समिति द्वारा आयोजित कहानी पाठ चल रहा था। वरिष्ठ कथाकार आमंत्रित किए गए थे। वे अपनी एक गंभीर कहानी सुना रहे थे। कहानी में संवेदनाएँ थीं, संघर्ष था और जीवन की विडंबनाएँ थीं। कथाकार हर वाक्य के साथ श्रोताओं के चेहरों पर प्रतिक्रिया तलाश रहे थे।

पहली पंक्ति में एक देवी जी आँखें मूँदे बैठी थी । सिर का रह रहकर झुकना बता रहा था कि कहानी का प्रभाव गहरा हुआ है। वे नींद की दुनिया में कहानी का अपना संस्करण रच रही थी। बगल में आयोजक मंडली की दो महिलाएँ आपसी बातचीत में व्यस्त थीं।

कुछ लोग मोबाइल पर कहानी रिकॉर्ड कर रहे थे। एक महिला कैमरे का कोण बार बार बदल रही थीं। वे कहानी सुनने से अधिक यह सुनिश्चित करने में व्यस्त थीं कि कहानी का कोई दृश्य रिकॉर्ड होने से छूट न जाए। शायद घर जाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करना था। कहानी का लाइव आनंद लेने से ज्यादा जरूरी था, उसके आयोजन में अपनी उपस्थिति का सोशल मीडिया पर सदैव बना रहने वाला प्रमाण सुरक्षित रखना।

कथाकार ने कहानी का सबसे मार्मिक अंश पढ़ा। 'पिता बेटी की शादी के लिए अपना घर बेच देता है।' उनकी आवाज भर्रा गई। उन्होंने श्रोताओं की ओर देखा। मोबाइल की कुछ स्क्रीन चमक रही थी,और कुछ चेहरे निर्विकार थे।

कहानी समाप्त हुई। प्रश्नोत्तर का दौर शुरू हुआ।

एक महिला ने कहा, बहुत सुंदर कहानी थी। कथाकार ने उत्साहित होकर पूछा, आपको कौन सा प्रसंग अच्छा लगा?

महिला बोलीं, पूरी रिकॉर्डिंग घर जाकर सुनूँगी।

एक सज्जन ने कहा, मैंने पूरा वीडियो बना लिया है। फेसबुक पर डालूँगा। आप को टैग कर दूंगा।

तभी एक युवा ने पूछा, सर, कहानी का शीर्षक क्या था?

कथाकार कुछ क्षण चुप रहे। फिर मुस्कराए। वे समझ गए कि वो कहानी सुना रहे थे, जबकि सभागार में हर व्यक्ति अपनी अपनी कहानी जी रहा था।

घर लौटकर उन्होंने डायरी खोली। नई कहानी का शीर्षक लिखा, कहानी पाठ।

पहली पंक्ति लिखी, एक सभागार में कहानी सुनाई जा रही थी। कहानीकार को भ्रम था कि वह कहानी सुना रहा है, ...दरअसल, हम सभी किसी न किसी कहानी के किरदार हैं। फर्क इतना है कि कुछ अपनी भूमिका जानते हैं, कुछ निभा रहे हैं और कुछ को पता ही नहीं कि वे भी किसी की कहानी का हिस्सा बन चुके हैं। तभी मोबाइल पर सूचना आई। एक श्रोता ने उनकी कहानी का वीडियो पोस्ट किया था। कैप्शन था, आज एक अद्भुत कहानी पाठ का आनंद लिया।

कथाकार मुस्कराए। कहानी समझने और आनंद लेने वाले भले ही न मिले हों, प्रचारक तो मिल गए थे!

इतिहास

6 नवंबर का इतिहास भारत और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन से जुड़ा है।

6 नवंबर की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1763: ब्रिटिश सेना ने मीर कासिम को हराकर पटना पर अधिकार किया।

1860: अब्राहम लिंकन अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

1913: महात्मा गांधी के नेतृत्व में दक्षिण अफ्रीका में भारतीय खनिकों का 'द ग्रेट मार्च' निकाला गया, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई।

1935: एडविन आर्मस्ट्रांग द्वारा एफएम रेडियो का प्रथम सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया।

1943: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सौंपे गए।

1962: संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया।

ज़ 1990: नवाज़ शरीफ़ पहली बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने।

योजनाओं की उपलब्धियां सिर्फ आंकड़ों में नहीं, परिणामों में दिखें : पिंगुआ

जिले के प्रभारी सचिव ने ली अफसरों की बैठक, दिए गए कई निर्देश

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। अपर मुख्य सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा जिले के प्रभारी सचिव मनोज पिंगुआ ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की गहन समीक्षा कर अधिकारियों से कहा कि योजनाओं की सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनके सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई देने चाहिए। योजनाओं का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे ताकि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आए, यही सुशासन की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग बेहतर समन्वय और परिणामोन्मुखी कार्यशैली के साथ जिले को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट बनाने की दिशा में काम करें। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हम सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले में संचालित प्रमुख योजनाओं, नवाचारों एवं विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।



समीक्षा बैठक की शुरुआत धान खरीदी की तैयारियों से हुई। पिंगुआ ने बताया कि 15 नवंबर से राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी प्रारंभ की जाएगी। इसके पूर्व धान खरीदी केंद्रों में सभी तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाए। धान खरीदी के मापदंडों के बारे में मुनादी व दीवार लेखन के जरिए अच्छी तरह से प्रचार-प्रसार किया जाए। चेकलिस्ट के अनुरूप तैयारियां पूर्ण कर लिया जाए। धान खरीदी के लिए आने वाले किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसका ध्यान दें। किसानों के लिए छाया, पानी, बैठने की व्यवस्था समुचित रूप से हो। किसान पंजीयन, समितियों के गठन और खरीदी व्यवस्था की जानकारी लेते हुए धान खरीदी से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के विरुद्ध पूर्ण हुए आवासों की जानकारी ली।

प्रभारी सचिव ने पिछले दिनों आए तूफान से हुए नुकसान का जल्द सर्वे कर प्रभावित किसानों को पात्रता अनुसार राहत दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल ने बताया कि आवास सर्वेक्षण में बिलासपुर जिले ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-26 में राज्य स्तर में आवास पूर्णता की स्थिति में जिला 56284 आवासों को पूर्ण कर दूसरे स्थान पर है। राज्य स्तर में आवास प्लस 2.0 में सर्वाधिक हितग्राहियों का सर्वे कर जिला प्रथम स्थान पर है। जिले में पीएम जनमन आवास योजना के तहत 959 आवास स्वीकृत किये गये थे जिनमें से 803 आवास पूर्ण कर लिए गए है। पिंगुआ ने विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) की भी समीक्षा की। उन्होंने इस योजना के तहत अधोसंरचना के कार्यों को स्वीकृत कर पूर्ण करने को कहा। सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि योजना के तहत आंगनबाड़ी निर्माण, नवीन पंचायत भवन, तालाब गहरीकरण, नया तालाब, परकोलेशन टैंक, बालिका शौचालय आदि के 3 हजार से ज्यादा कार्य अब तक स्वीकृत किये गये है। योजना के तहत 125 दिवस रोजगार की गारंटी दी जा रही है। प्रभारी सचिव पिंगुआ ने कहा कि स्वीकृत कार्यों से गांवों में ऐसी उपयोगी और स्थायी परिसंपत्तियां विकसित की जाएं, जिनका लाभ ग्रामीणों को लंबे समय तक मिले।

सहकारिता और लोकतंत्र एक-दूसरे के पूरकः संभागायुक्त सुनील जैन



विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। सहकारिता विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से देवकीनंदन सभागृह, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल प्रांगण में सेवा सहकारी समितियों के प्रभारी अधिकारियों, प्रभारी प्रबंधकों एवं पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। बिलासपुर एवं मुंगेली जिले के 200 समितियों के प्रतिनिधियों की सहभागिता वाली इस कार्यशाला का शुभारंभ संभागायुक्त सुनील जैन एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी के सुचारू संचालन, पैक्स कंप्यूटरीकरण तथा समितियों के बेहतर प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया गया।

संभागायुक्त सुनील जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता और लोकतंत्र एक-दूसरे के पूरक तथा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने सहकारिता के ऐतिहासिक विकास का उल्लेख करते हुए समितियों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण की महत्ता बताई। उन्होंने आगामी धान खरीदी की तैयारियों पर चर्चा करते हुए समिति कर्मचारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित करने पर जोर दिया।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आगामी धान खरीदी व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए उपार्जन केंद्रों की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने सहकारी खेती, जैव उर्वरक, बायोगैस एवं वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर भी मार्गदर्शन दिया। कलेक्टर ने कहा कि दुनिया भर की सहकारी समितियों के अच्छे प्रयासों को सीखने और समझने के साथ स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी समितियों में लागू किया जाना चाहिए।

कार्यशाला में संयुक्त आयुक्त, उपायुक्त सहकारिता बिलासपुर, सहायक आयुक्त सहकारिता मुंगेली, खाद्य नियंत्रक बिलासपुर सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। विभागीय अधिकारियों एवं तीन मास्टर ट्रेनरों ने सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक सहकारिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया। सहभागी समिति कर्मचारियों ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए आयोजन की सराहना की।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं महिला सशक्तिकरण केंद्र सक्ती में जागरूकता अभियान आयोजित

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 (जिला बाल संरक्षण इकाई) एवं महिला सशक्तिकरण केंद्र, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला-सक्ती के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बेल्हाडीह में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।



कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बच्चों के अधिकार, सुरक्षा, बाल विवाह, बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं समान अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संदेश को भी प्रसारित किया गया। विद्यार्थियों को बालिकाओं के सम्मान, शिक्षा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में समाज की सहभागिता के महत्व से अवगत कराया गया। बच्चों के रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निबंध, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधान पाठक भारती साहू, जिला मिशन समन्वयक सूचि शुक्ला (हब), परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन गजानंद दास, जेंडर विशेषज्ञ सतीश नेताम एवं सुशीला जोशी, गाइडिंग लाइन काउंसलर अमितेश प्रजापति, शशि गभेल वित्तीय साक्षरता एवं समन्वय विशेषज्ञ, चाइल्ड लाइन पर्यवेक्षक सुनीता मंडल, चाइल्ड लाइन केस वर्कर विष्णु प्रसाद, केशव प्रसाद एवं शिक्षकगण की गरिमामयी उपस्थिति एवं योगदान रहा।

कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने खुद ग्राहक बनकर बढ़ाया दीदियों का हौसला, 'लोकल अपनाओ' का दिया संदेश

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और महिला स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल बिहान मेला इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित शनि मंदिर के पास आयोजित बिहान मेले में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने एक अलग अंदाज में महिला समूहों का उत्साह बढ़ाया। वे निरीक्षण के लिए पहुंचीं, लेकिन यहां केवल व्यवस्थाओं का जायजा ही नहीं लिया, बल्कि खुद ग्राहक बनकर दीदियों के स्टॉल से स्थानीय उत्पादों की खरीदारी भी की।

कलेक्टर त्रिपाठी ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार छिंद की टोकरी एवं माला, मल्टीग्रेन आटा, मिट्टी



के दीये और ऊन से बने आकर्षक फूल खरीदे। इतना ही नहीं, जंगली पौधे के पत्तों से तैयार छिंद की माला पहनकर उन्होंने स्थानीय हुनर और उत्पादों के प्रति अपना समर्थन भी प्रदर्शित किया। उनके इस प्रोत्साहन से मेले में मौजूद महिला समूहों की दीदियों के चेहरे खिल उठे।

इस दौरान कलेक्टर त्रिपाठी ने कहा कि स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद गुणवत्ता और कलात्मकता के लिहाज से बेहद आकर्षक हैं। ऐसे ही उत्पाद ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दो से तीन गुना अधिक कीमत पर मिलते हैं, जबकि बिहान मेले में ये किफायती दरों पर उपलब्ध हैं। इनकी खरीदारी से सीधे ग्रामीण महिलाओं की आमदनी बढ़ती है और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि जिले में 52 हजार दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं, जो विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं।

कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की कि दीपावली के अवसर पर बाजार में उपलब्ध स्थानीय एवं हस्तनिर्मित उत्पादों को प्राथमिकता दें, ताकि ग्रामीण महिलाओं के हुनर को उचित पहचान और उनके परिश्रम को बेहतर बाजार मिल सके। जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी ने भी मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों को स्थानीय स्तर पर आर्थिक संबल प्रदान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

विष्णु के पाती पाकर खुश हुईं लखपति दीदी सूरज यादव

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से शुभकामना संदेश के रूप में भेजी गई श्विष्णु के पातीश् पाकर सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत दरिमा की रहने वाली लखपति दीदी सूरज यादव बेहद खुश हैं। विष्णु के पाती मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं और महिला स्व-सहायता समूह से मिले सहयोग ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। कभी छोटे से चाट ठेले से आजीविका की शुरुआत करने वाली सूरज यादव आज अपना होटल संचालित कर रही हैं और लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं।



10 हजार रुपये के ऋण से शुरू हुआ आत्मनिर्भरता का सफर

ग्राम गरिमा की रहने वाली सूरज यादव शिव शक्ति महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं। उन्होंने बताया कि समूह से पहली बार 10 हजार रुपये का ऋण लेकर छोटा सा चाट ठेला शुरू किया। इससे हुई आमदनी ने उन्हें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया। इसके बाद उन्होंने समूह से 15 हजार रुपये का ऋण लेकर अपनी गिरवी रखी कृषि भूमि छुड़ाई।

स्वास्थ्य सेवाओं से खिलवाड़ः बाराद्वार में बिना वैध पंजीयन और एमडी पैथोलॉजिस्ट के संचालित हो रही पैथोलॉजी लैब्स

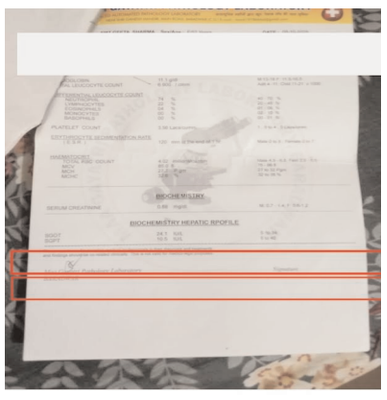
विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। नगर में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय स्तर पर संचालित कुछ पैथोलॉजी सेंटरों की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं, जहाँ नियमों को ताक पर रखकर जाँच रिपोर्टें जारी की जा रही हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाराद्वार क्षेत्र में संचालित 'माँ गायत्री पैथोलॉजी लैब्स' की जाँच रिपोर्टों की जब पड़ताल की गई, तो उसमें कई चौंकाने वाली और गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

जाँच रिपोर्ट में क्या मिलीं कमियाँ?

पंजीयन का अभाव: रिपोर्ट या लैब में छत्तीसगढ़ क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत जारी वैध पंजीयन क्रमांक का उल्लेख नहीं मिला। विशेषज्ञ डॉक्टर की मुहर नदारद: रिपोर्ट पर किसी भी एमडी पैथोलॉजिस्ट का पूरा नाम,



शैक्षणिक योग्यता और उनका मेडिकल काउंसिल पंजीयन नंबर दर्ज नहीं है, केवल अस्पष्ट हस्ताक्षर दिखाई दे रहे हैं।

मेलिको-लीगल चेतावनी: सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि लैब की रिपोर्ट के नीचे स्पष्ट रूप से 'दिस इज़ नॉट वेलिड फॉर मेडिको-लीगल पर्पस' लिखा हुआ है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर किसकी निगरानी और प्रमाणिकता के आधार पर ये रिपोर्टें मरीजों को दी जा रही हैं और उनके आधार पर इलाज कैसे हो रहा है?

संचालक का अजीब तर्क और पुराने दस्तावेज - मामले में जब लैब संचालक से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने वर्ष 2020 में सीएमएचओ कार्यालय में जमा किए गए आवेदन की पुरानी पावती और बायोमेडिकल वेस्ट से जुड़ी पुरानी रसीदें दिखा दीं। वर्तमान वित्तीय वर्ष का वैध पंजीयन प्रमाण पत्र, एमडी पैथोलॉजिस्ट की डिग्री, उनका पंजीयन और अनुबंध से जुड़े दस्तावेज मांगने पर संचालक कोई भी संतोषजनक जवाब या वर्तमान दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाए। यहाँ तक कि व्हाट्सएप के माध्यम से 24 घंटे का समय दिए जाने के बावजूद उनकी ओर से कोईद्द विस्तृत स्पष्टीकरण नहीं दिया गया।

मेरा युवा भारत के स्वयंसेवक ने बच्चों को शिक्षा एवं पोषण के प्रति किया जागरूक



विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। मेरा युवा भारत, बलरामपुर के स्वयंसेवक प्रसंजीत बनिक द्वारा बुधवार को विकासखंड शंकरगढ़ की प्राथमिक शाला बचवार में शिक्षा एवं पोषण आहार पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा के प्रति रुचि बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए पेन एवं कॉपी का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार का महत्व बताते हुए हरी सब्जियां, मौसमी फल, दाल व दूध को दैनिक भोजन में शामिल करने की सलाह दी गई तथा समझाया गया कि उचित पोषण शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक है। अंत में विद्यार्थियों को स्नैक्स वितरित किए गए।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल, आत्मनिर्भरता के साथ बढ़ रहा आत्मविश्वास

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने के साथ ही उनमें आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा की भावना भी बढ़ा रही है।

सरगुजा जिले की महिलाएं इस सहायता राशि का उपयोग अपनी घरेलू आवश्यकताओं, आजीविका गतिविधियों और परिवार की खुशियों के लिए कर रही हैं। ऐसी ही एक हितग्राही हैं अम्बिकापुर जनपद पंचायत कार्यालय में छोटी सी कैंटीन



संचालित करने वाली रानी सिंह, जिनके लिए महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल का माध्यम बनी है।

छोटी सी कैंटीन से परिवार की जिम्मेदारी, महतारी वंदन से मिला अतिरिक्त सहारा - रानी सिंह अम्बिकापुर जनपद पंचायत कार्यालय में कैंटीन संचालित कर अपनी आजीविका अर्जित करती हैं। कैंटीन के माध्यम से होने वाली आमदनी से वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। ऐसे में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत हर महीने मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए अतिरिक्त सहारा साबित हो रही है। इस राशि से उन्हें अपनी व्यक्तिगत जरूरतों और त्योहारों से जुड़े छोटे-मोटे खर्चों को पूरा करने में मदद मिल रही है।

रानी सिंह बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिलना एक बड़ी राहत है। इससे महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। अपनी जरूरत के अनुसार राशि खर्च करने की सुविधा से महिलाओं में आत्मसम्मान और आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है।

दीपावली से पहले खाते में आई राशि, लक्ष्मी पूजा की तैयारियों को लेकर दिखी खुशी - महतारी वंदन योजना की सहायता राशि मिलने पर रानी सिंह ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि दीपावली से पहले राशि प्राप्त होने से वे इस बार लक्ष्मी पूजा अच्छी तरह मना सकेंगी।

मनेंद्रगढ़ में बीजेपी की भव्य पदयात्रा

विश्व केसरी■

मनेंद्रगढ़ (राजेश उपाध्याय)। जिले के मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया। कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित इस पदयात्रा में कार्यकर्ताओं और आम जनता का भारी हुजूम देखने को मिला।



पदयात्रा की शुरुआत से पहले भगत सिंह चौक के समीप एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। मंच से सभा को संबोधित करते हुए भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने देश की विपक्षी पार्टियों के खिलाफ जमकर आवाज बुलंद की। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल देश में अराजकता फैलाकर लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे बीजेपी का कार्यकर्ता कभी सफल नहीं होने देगा।

इसके पश्चात मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और विधायक रेणुका सिंह की मौजूदगी में भगत सिंह चौक से पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक तक जनसैलाब के साथ रैली के रूप में पदयात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी विपक्षी दलों पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि जनता सब समझ चुकी है और अराजक तत्वों तथा विपक्ष की अवसरवादी राजनीति को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। पदयात्रा में गूंजते नारों और उत्साह के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पहुंचकर यात्रा का समापन हुआ, जहां महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर देश में लोकतंत्र की मजबूती का संकल्प लिया गया।

शेयर बाजार लगातार छठे दिन तेजी के साथ बंद, मार्केटकैप 28 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

विश्व केसरी■



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 2,008.61 अंक या 2.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 79,310.01 और निफ्टी 576 अंक या 2.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,536.60 पर था।

बाजार में लगातार छह दिनों की तेजी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप करीब 28 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 501 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो कि 28 अक्टूबर को 473 लाख करोड़ रुपए था।

कारोबारी सत्र में बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 106.05 अंक या 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,132.45 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,115.40 अंक या 1.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 60,620.90 पर था। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो (4.14 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (3.99 प्रतिशत) और निफ्टी रियल्टी (3.52 प्रतिशत) टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक (3.44 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (3.13 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (2.42 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (2.32 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (2.16 प्रतिशत), निफ्टी कंज्पशन (1.94 प्रतिशत) और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग (1.29 प्रतिशत) सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांक थे। दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस (1.69 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.84 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (0.52 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसई (0.02 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुए।

सूचकांकों में बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, एचयूएल और ट्रेंट गेनर्स थे। भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, आईटीसी, बीईएल और एनटीपीसी लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के नतीजों ने भारतीय शेयर बाजार को नई गति दी है। बाजार में तेजी इस उम्मीद से आई है कि वाशिंगटन का रुख अब थोड़ा संयमित हो सकता है, जिससे ईरान विवाद और टैरिफ नीतियों से जुड़े तनाव कम होने की राह खुल सकती है। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और ऊर्जा आपूर्ति में बाधा आने का खतरा कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। इसके अलावा, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और डॉलर में नरमी आने से भारत के महंगाई के अनुमान और बाहरी खातों पर दबाव भी कम हुआ है।

अमेरिकी चुनाव नतीजों के बाद धड़ाम हुआ कच्चा तेल, ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर से नीचे फिसला

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। वैश्विक कच्चे तेल बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर प्रति बैरल से नीचे फिसल गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई भी 87 डॉलर प्रति बैरल के नीचे पहुंच गया। अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत और ईरान के साथ संभावित तनाव कम होने की उम्मीदों ने तेल की कीमतों पर भारी दबाव डाला है।

इस बीच, भारतीय रुपया लगातार पांचवें सत्र में मजबूत हुआ। बुधवार को 94.64 के स्तर पर बंद होने के बाद रुपया गुरुवार को 29 पैसे की बढ़त के साथ 94.35 प्रति डॉलर पर खुला।

बाजार में सबसे बड़ी चिंता रहे पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक जोखिमों का असर अब कम होता दिखाई दे रहा है। निवेशकों का मानना है कि अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेटिक बढ़त के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए ईरान के खिलाफ आक्रामक सैन्य रुख अपनाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो सकता है। इससे कूटनीतिक समाधान की उम्मीद बढ़ी है और तेल बाजार में जोखिम प्रीमियम कम हुआ है।

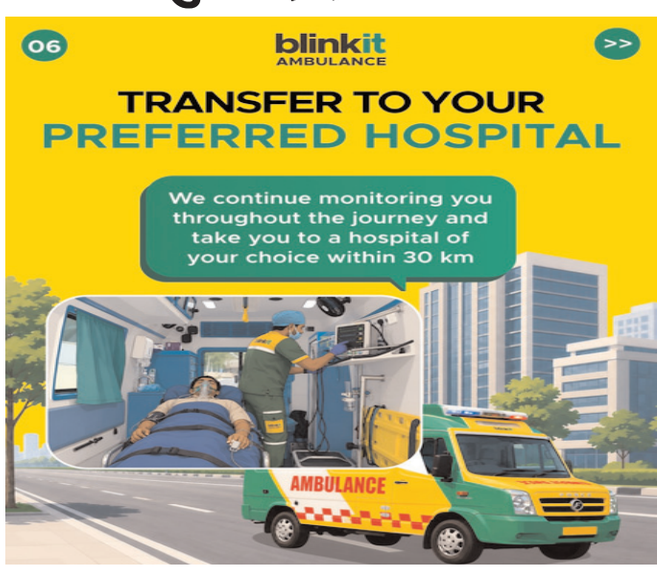
गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 1 प्रतिशत गिरकर 93.65 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.36 प्रतिशत टूटकर 86.92 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले दोनों बेंचमार्क बुधवार को 8 प्रतिशत से अधिक टूटे थे और अगस्त के अंत के बाद के सबसे निचले स्तर पर बंद हुए थे।

इस सप्ताह अब तक कच्चे तेल की कीमतों में करीब 16 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है, जो हाल के वर्षों की सबसे तेज साप्ताहिक गिरावटों में से एक मानी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खाड़ी देशों के सरकारी हलकों से जुड़े सूत्रों का मानना है कि ईरान पर बड़े पैमाने के सैन्य हमले की संभावना अब पहले की तुलना में कम हो गई है। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने भी संकेत दिया है कि फिलहाल अमेरिका की ओर से ईरान पर तत्काल हमला करने की कोई योजना नहीं है।

इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी युद्ध की उपयोगिता पर सवाल उठाए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद अमेरिकी प्रशासन पर कूटनीतिक समाधान खोजने का दबाव बढ़ सकता है। इसी उम्मीद ने बाजार में भारी बिकवाली को जन्म दिया। कच्चे तेल की आपूर्ति स्थिति में भी सुधार के संकेत मिले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति लगभग युद्ध-पूर्व स्तरों के करीब पहुंचने लगी है। इससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र से तेल आपूर्ति बहाल होने के बाद वैश्विक तेल बाजार एक बार फिर अधिशेष (सरप्लस) की स्थिति में पहुंच रहा है।

ब्लिंकिट ने गैर-आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा के लिए लागू किया 2,500 रुपए शुल्क, इमरजेंसी सेवाएं रहेंगी मुफ्त

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट ने गुरुवार को गैर-आपातकालीन (नॉन-इमरजेंसी) एम्बुलेंस बुकिंग के लिए 2,500 रुपए का एक समान शुल्क लागू करने की घोषणा की है। हालांकि कंपनी ने स्पष्ट किया है कि आपातकालीन चिकित्सा जरूरतों के लिए एम्बुलेंस सेवा पहले की तरह पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी।

यह जानकारी साझा करते हुए इटरनल के संस्थापक दीपिंदर गोयल ने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि बड़ी संख्या में लोग एम्बुलेंस सेवा का इस्तेमाल नियमित चिकित्सा जरूरतों, डॉक्टर से परामर्श, सामान्य स्वास्थ्य जांच और अस्पताल से घर तक आने-जाने के लिए करने लगे थे, जबकि इन यात्राओं के लिए सामान्य परिवहन सेवाओं का उपयोग किया जा सकता था।

गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मैंने जोमैटो की शुरुआत सेवा भाव से की थी। ब्लिंकिट एम्बुलेंस आज उसी सेवा भाव का साकार स्वरूप है। पिछले दो वर्षों में ब्लिंकिट की एम्बुलेंस सेवा ने लगभग 42,000 मामलों में सहायता प्रदान की है। इनमें करीब 20,000 मामले वास्तविक आपातकालीन स्थितियों से जुड़े थे।' उन्होंने आगे कहा कि कंपनी ने अब तक इन सेवाओं के लिए किसी भी मरीज से कोई शुल्क नहीं लिया है और आपातकालीन सेवाओं को भविष्य में भी मुफ्त बनाए रखने की योजना है।

उन्होंने बताया कि मुफ्त सेवा होने के कारण बड़ी संख्या में बुकिंग नियमित और गैर-गंभीर जरूरतों के लिए होने लगी थीं, जिससे ऐसी अत्याधुनिक एम्बुलेंसें, जिनमें पैरामेडिक्स और जरूरी चिकित्सा उपकरण मौजूद होते हैं, कई बार उन लोगों के लिए उपलब्ध नहीं रह पाती थीं जिनकी जान तत्काल चिकित्सा सहायता पर निर्भर होती है। इसी स्थिति को देखते हुए कंपनी ने नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत आपातकालीन चिकित्सा परिवहन पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा, जबकि गैर-आपातकालीन उपयोग के लिए प्रति यात्रा 2,500 रुपए शुल्क लिया जाएगा। यह राशि यात्रा पूरी होने के बाद ली जाएगी।

गोयल ने आगे कहा कि यह शुल्क निजी एम्बुलेंस सेवाओं द्वारा आमतौर पर वसूली जाने वाली राशि के लगभग बराबर है। उन्होंने बताया कि इस सेवा से प्राप्त होने वाला धन इटरनल फाउंडेशन को जाएगा, जो इन एम्बुलेंसों का संचालन करती है। इससे भविष्य में एम्बुलेंस नेटवर्क का विस्तार करने में भी मदद मिलेगी। कंपनी को उम्मीद है कि इस कदम से गैर-जरूरी उपयोग में उल्लेखनीय कमी आएगी और उसकी 10 मिनट एम्बुलेंस सेवा वास्तविक आपातकालीन स्थितियों के लिए अधिक उपलब्ध रह सकेगी।

एसोचैम ने केंद्रीय बजट 2027-28 में एलटीसीजी और एसटीटी को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश की

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। उद्योग संगठन एसोचैम ने आगामी केंद्रीय बजट 2027-28 के लिए सरकार को दिए अपने प्री-बजट ज्ञापन में स्थिर और निवेश-अनुकूल कर व्यवस्था बनाने, कर विवादों को कम करने तथा दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) और सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश की है। उद्योग निकाय का मानना है कि ऐसे कदम भारत को वैश्विक निवेश और विनिर्माण केंद्र के रूप में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेंगे।

एसोचैम ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर सुधारों से संबंधित कई सुझाव देते हुए एक पारदर्शी, पूर्वानुमेय और निवेशकों के अनुकूल कर ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया। उद्योग संगठन का कहना है कि इससे आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी, घरेलू विनिर्माण को मजबूती मिलेगी, विदेशी निवेश आकर्षित होगा और कारोबार सुगमता में सुधार होगा। एलटीसीजी कर व्यवस्था को लेकर एसोचैम ने सुझाव दिया है कि एक वर्ष से अधिक लेकिन दो वर्ष से कम अवधि तक रखी गई प्रतिभूतियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर की दर घटाकर 10 प्रतिशत की जाए।

वहीं दो वर्ष से अधिक अवधि तक निवेश बनाए रखने वाले निवेशकों के लिए शून्य या लगभग 5 प्रतिशत की रियायती कर दर लागू करने पर विचार किया जाना चाहिए।

वैकल्पिक रूप से उद्योग संगठन ने सुझाव दिया है कि दीर्घकालिक निवेश रखने वाले निवेशकों को एलटीसीजी कर देनदारी के विरुद्ध सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) का क्रेडिट प्रदान किया जाए। एसोचैम का मानना है कि एलटीसीजी और एसटीटी के संयुक्त कर बोझ को कम करने से दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा और पूंजी बाजारों को समर्थन मिलेगा।

प्रत्यक्ष कर सुधारों के तहत एसोचैम ने नए विनिर्माण उद्यमों, विशेष रूप से रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों के लिए रियायती कर व्यवस्था लागू करने की सिफारिश की है।

सोने और चांदी के लिए लंबी अवधि का आउटलुक सकारात्मक, गिरावट खरीदारी का मौका : रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। कैलेंडर वर्ष 2026 में काफी उतार-चढ़ाव रहने के बावजूद, मध्यम से लंबी अवधि में सोने और चांदी का आउटलुक सकारात्मक है। साथ ही, कोई भी गिरावट निवेशकों के लिए खरीदारी के मौका है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है, '2025 में देखी गई काफी हद तक एकतरफा तेजी के विपरीत, 2026 में कीमती धातुओं में कहीं अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। इसकी वजह अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदें, लगातार बनी हुई महंगाई, बॉन्ड यील्ड का ऊंचे स्तर पर रहना और भू-राजनीतिक घटनाक्रम हैं।'

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में कमोडिटीज रिसर्च के प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा कि सोने की निकट अवधि की चाल अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति, महंगाई के रुझान, अमेरिकी डॉलर में उतार-चढ़ाव और वास्तविक बॉन्ड यील्ड पर निर्भर करेगी।

दमानी ने आगे कहा कि केंद्रीय बैंकों द्वारा अपने निवेश में विविधता लाने, लगातार बनी हुई निवेश मांग और वित्तीय अनिश्चितताओं के कारण सोने को एक मजबूत आधार मिल रहा है।

रिपोर्ट में सोने के लिए 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति अपनाने का सुझाव दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, 3,800-3,900 डॉलर प्रति औंस के दायरे को खरीदारी के लिए एक अच्छा स्तर माना गया है, जिसमें अल्पकालिक लक्ष्य 4,200 डॉलर और मध्यम अवधि का लक्ष्य 4,500-4,700 डॉलर तय किया गया है। भारत में 1,35,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को खरीदारी के लिए उपयुक्त माना गया है। इसके लिए अल्पकालिक लक्ष्य 1,48,000 रुपए और मध्यम अवधि का लक्ष्य 1,60,000-1,68,000 रुपए निर्धारित किया गया है।

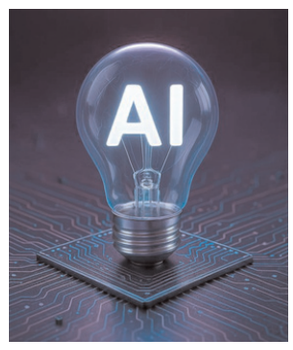
रिपोर्ट के अनुसार, ऊंची कीमतों के बावजूद सोने में निवेश की मांग मजबूत बनी हुई है। अगस्त और सितंबर 2026 के दौरान वैश्विक गोल्ड ईटीएफ होल्डिंग्स में लगभग 187 टन की वृद्धि हुई, जिससे यह 4,256 टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वहीं, तीसरी तिमाही में इसमें 31 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश (इनफ्लो) आया। भारत में, सितंबर महीने में गोल्ड ईटीएफ में निवेश 71 प्रतिशत बढ़कर 44.5 अरब रुपए हो गया, जबकि सिल्वर ईटीएफ में 19.7 अरब रुपए का निवेश आया।

जनवरी 2026 में सोने की कीमत लगभग 5,600 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें गिरावट आई और कीमत 4,000 डॉलर से नीचे चली गई, हालांकि बाद में इसमें फिर से सुधार देखने को मिला। चांदी की कीमत भी 100 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें और भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में दीपावली और धनतेरस कीमती धातुओं की खरीदारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण अवसरों में से हैं। इस दौरान पारंपरिक खरीदारी के तरीकों, शादी-विवाह के सीजन और सोने-चांदी के सांस्कृतिक महत्व के कारण इनकी मांग काफी बढ़ जाती है। ऐतिहासिक प्रदर्शन से भी पता चलता है कि दीपावली से पहले के 30 दिनों में, दीपावली के बाद के 30 दिनों की तुलना में, सोने ने आमतौर पर बेहतर रिटर्न दिया है।

एआई अगले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था में जोड़ सकता है 79 अरब डॉलर: रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अगले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था में 79 अरब डॉलर तक का योगदान दे सकती है। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, एआई क्षमता के मामले में भारत 56 कॉमनवेल्थ देशों में 11वें स्थान पर है और युवाओं की बड़ी आबादी के कारण वैश्विक एआई परिदृश्य में उसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

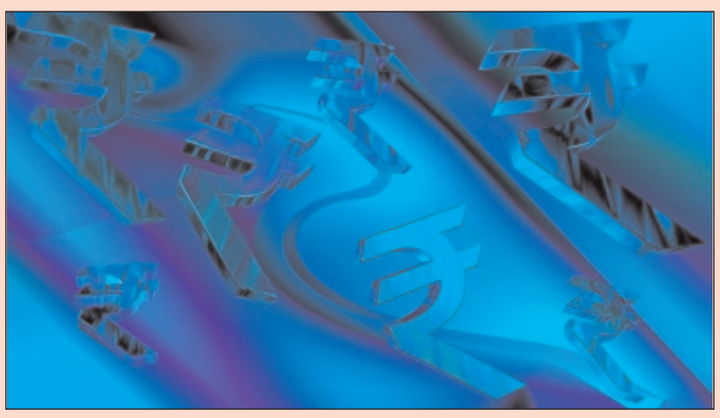
आयर थिंक टैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 38.2 करोड़ युवा हैं, जो कॉमनवेल्थ देशों की कुल 73.2 करोड़ युवा आबादी के आधे से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह जनसांख्यिकीय ताकत भारत को एआई आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय युवाओं में एआई को लेकर उत्साह काफी अधिक है। लगभग 89 प्रतिशत युवा अगले एक वर्ष के भीतर शिक्षा या रोजगार से जुड़े कार्यों में एआई का उपयोग करना चाहते हैं। वहीं 60 प्रतिशत से अधिक युवाओं ने कहा कि उन्हें एआई-आधारित उपकरणों के साथ काम करने और उनका उपयोग करने का आत्मविश्वास है।

भारत के व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचे, मजबूत 4जी कनेक्टिविटी और दुनिया के सबसे सस्ते मोबाइल डेटा में से एक होने के कारण एआई अपनाने की क्षमता को भी बड़ा समर्थन मिला है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अभी केवल लगभग दो-तिहाई युवाओं के पास ही व्यक्तिगत मोबाइल फोन हैं, जो डिजिटल पहुंच के क्षेत्र में मौजूद चुनौतियों को दर्शाता है। रिपोर्ट ने श्रम बाजार से जुड़े कुछ मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। इसके अनुसार करीब 30 प्रतिशत युवा रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण से बाहर हैं, जबकि लगभग 86 प्रतिशत युवा कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है। ऐसे में एआई आधारित कौशल विकास कार्यक्रम रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आयर थिंक टैंक के विश्लेषण के अनुसार, मध्यम परिदृश्य में एआई भारत की जीडीपी में अगले 10 वर्षों में 79.1 अरब डॉलर का अतिरिक्त योगदान दे सकता है।

भारत में डेटा सेंटर निवेश और व्यापार समझौते रुपए को कमजोर किए बिना आर्थिक विकास को दे सकते हैं बढ़ावा: रिपोर्ट

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत में डेटा सेंटर क्षेत्र में निवेश और नए व्यापार समझौतों से शुरुआत में आयात बढ़ सकता है और व्यापार घाटा भी बढ़ सकता है। हालांकि, अगर इन निवेशों का वित्तपोषण विदेशी पूंजी से होता है और इनसे भविष्य में निर्यात को बढ़ावा मिलता है, तो रुपए पर दबाव जरूरी नहीं है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तेजी से उभरता डेटा सेंटर उद्योग और व्यापार समझौतों का बढ़ता नेटवर्क देश की मध्यम अवधि की आर्थिक विकास संभावनाओं और भुगतान संतुलन की स्थिति को बेहतर बना सकता है। इसके लिए जरूरी नहीं कि रुपए पर कमजोरी आए।

रिपोर्ट में कहा गया, 'कम चालू खाता घाटा अपने आप में मजबूती का संकेत नहीं होता और न ही बढ़ता हुआ घाटा जरूरी तौर पर आर्थिक दबाव को दर्शाता है। महत्वपूर्ण यह है कि घाटे का वित्तपोषण किस तरह किया जा रहा है और क्या यह व्यापार योग्य क्षेत्रों में निवेश को प्रतिबिंबित करता है।'

रिपोर्ट में भारत के डेटा सेंटर क्षेत्र के तेजी से विस्तार को रेखांकित करते हुए कहा गया कि इस क्षेत्र में करीब 70 अरब डॉलर का निवेश पहले से ही चल रहा है, जबकि अतिरिक्त 90 अरब डॉलर की घोषित परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं।

इसमें यह भी कहा गया कि रुपए पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने के लिए केवल चालू खाता घाटे पर ध्यान देने के बजाय पूंजी प्रवाह और उन परिस्थितियों को भी देखना जरूरी है, जिनमें डेटा सेंटर और व्यापार समझौते रुपए के अनुकूल साबित हो सकते हैं। हालांकि, अल्पावधि में एडवांस चिप, सर्वर, कूलिंग सिस्टम और बिजली से जुड़े उपकरणों के आयात से वस्तु व्यापार घाटा काफी बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेटा सेंटर के निर्माण पर होने वाली कुल लागत का करीब 75 प्रतिशत हिस्सा आयात पर खर्च होता है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत को यह आकलन करना चाहिए कि आयात पूंजीगत वस्तुओं का है या मध्यवर्ती वस्तुओं का, जो आगे चलकर विनिर्माण और निर्यात क्षमता बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। चीन ने भी इसी तरह का मॉडल अपनाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, वियतनाम ने पहले यह दिखाया था कि शुरुआत में आयात बढ़ सकता है, लेकिन यदि यह निर्यात क्षेत्र में निवेश का हिस्सा है तो आगे चलकर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और निर्यात में मजबूती देखने को मिलती है।







गोबर के दीयों से रोशन हो रही महिलाओं की आत्मनिर्भरता की राह

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। उत्तर बस्तर कांकेर 05 नवम्बर 2026/ दीपावली के अवसर पर जब हर घर रोशनी से जगमगाने की तैयारी में है, तब जिले के चारामा विकासखंड के ग्राम भिलाई की महिलाएं अपने हाथों से तैयार प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल गोबर के दीयों से न केवल घरों को रोशन कर रही हैं, बल्कि अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह भी प्रकाशित कर रही हैं।

चारामा विकासखण्ड के ग्राम भिलाई के सरगम उत्पादक समूह, बिहान से जुड़कर स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का उत्कृष्ट उदाहरण बन रहा है। वर्ष 2016 में महज 10 महिलाओं से शुरू हुआ यह समूह आज 36 महिलाओं को आजीविका से जोड़ चुका है।

गोबर से तैयार होते हैं सुंदर और प्राकृतिक दीपक

समूह की महिलाएं गोबर से दीये तैयार करने की पूरी प्रक्रिया स्वयं करती हैं। गोबर को एकत्रित कर उसे अच्छी तरह तैयार किया जाता है और आवश्यक सामग्री के साथ



मिश्रण बनाकर सांचों की सहायता से विभिन्न आकार के दीये तैयार किए जाते हैं। इसके बाद इन्हें सुखाया जाता है और बिक्री के लिए तैयार किया जाता है। प्राकृतिक सामग्री से बने ये दीये पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और स्थानीय हुनर की पहचान भी है। समूह की सदस्य सुभद्रा नागराज बताती हैं कि वर्ष 2022 में उन्हें गोबर के दीये बनाने की प्रेरणा मिली। पहले वर्ष महिलाओं ने करीब 10 हजार दीये तैयार किए, जिससे उन्हें लगभग 20 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। इस सफलता ने महिलाओं का उत्साह बढ़ाया और धीरे-धीरे यह कार्य समूह की आय का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया।

इस वर्ष अब तक बिक चुके हैं 11 हजार से अधिक दीये

समूह की सदस्य ममता नागराज ने बताया कि इस वर्ष दीपावली के अवसर पर समूह द्वारा तैयार किए गए 11 हजार 400 गोबर के दीये अब तक बेचे जा चुके हैं। दीपावली को देखते हुए लगातार नए ऑर्डर भी मिल रहे हैं, जिसके कारण महिलाएं उत्पादन बढ़ाने में जुटी हुई हैं। वर्तमान में समूह की महिलाएं प्रतिदिन लगभग 500 दीये तैयार कर रही हैं। इन दीयों की बिक्री सी-मार्ट, स्थानीय हाट-बाजारों और अन्य स्थानों के माध्यम से की जा रही है। समूह को रायपुर से भी ऑर्डर मिलने की जानकारी मिली है, जिससे महिलाओं का उत्साह और बढ़ गया है। एक समूह, आजीविका के कई अवसर -सरगम उत्पादक समूह केवल गोबर के दीये ही नहीं बनाता, बल्कि महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों और अपनी मेहनत के बल पर आय के कई साधन विकसित किए हैं। समूह द्वारा आम का अमचूर पाउडर, इमली का संग्रहण एवं प्रसंस्करण, आम का अचार, राखी निर्माण और मशरूम उत्पादन जैसे कार्य भी किए जाते हैं। तैयार उत्पादों को स्थानीय बाजारों के साथ-साथ सी-मार्ट के माध्यम से भी बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

मशरूम उत्पादन से भी बढ़ी आय

समूह की महिलाओं ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में भी सफलता हासिल की है। महिलाओं ने लगभग 4 हजार रुपये की लागत से मशरूम उत्पादन किया और उसे 7 हजार रुपये में बेचकर करीब 3 हजार रुपये का लाभ अर्जित किया।

त्योहारी सीजन में मिठाइयों में मिलावट रोकने खाद्य विभाग सतर्क

21 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेजे

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। उत्तर बस्तर कांकेर, 05 नवंबर 2026/ त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए जिले में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जिले के विभिन्न मिठाई दुकानों, कन्फेक्शनरी के थोक प्रतिष्ठानों, किराना दुकानों एवं होटलों का नियमित निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए जा रहे हैं। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही है।



वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं उनकी टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से काजू कतली एवं छेना रसगुल्ला, खीर कदम एवं चॉकलेट मावा बर्फी, कलाकंद एवं बालूशाही, खोवा, बादाम बर्फी, पनीर तथा बर्फी के नमूने लिए गए। इसके अलावा विभिन्न प्रतिष्ठानों से पेड़ा, लड्डू, नारियल बर्फी, पनीर, दूध, दही, नमकीन एवं घी सहित कुल 21 खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित कर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट में नमूने अमानक पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन कार्यालय कांकेर के अभिहित अधिकारी सुष्मित देवांगन ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं को प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने, अखाद्य रंगों का उपयोग नहीं करने, स्वच्छ पेयजल का इस्तेमाल करने तथा खाद्य पदार्थों को अखबारी कागज में नहीं रखने के निर्देश दिए गए। वहीं बिना लाइसेंस अथवा पंजीयन खाद्य कारोबार करने एवं एक्सपायरी खाद्य सामग्री बेचने के मामले में दो खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज भी किया गया है। इसके साथ ही तीन खाद्य कारोबारकर्ताओं को सुधार के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया है।

निरीक्षक पारस पटेल की उत्कृष्ट विवेचना लाई रंग

कीटनाशक मिली शराब पिलाकर दो लोगों की हत्या करने वाले आरोपी को दो बार आजीवन कारावास

विश्व केसरी■

नवागढ़ (नीरज शर्मा)। जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भठली में कीटनाशक मिली शराब पिलाकर दो लोगों की हत्या करने के सनसनीखेज मामले की विवेचना तात्कालिक थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल द्वारा प्रकरण की गंभीरता विवेचना/साक्ष्य संकलन कर आरोपी को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध अभियोग पत्र तैयार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया था। शराब



बिक्री को लेकर सुंदरलाल कुर्रे से विवाद के चलते आरोपी ने 6 मार्च 2025 को देशी शराब की शीशी में कीटनाशक मिलाकर सुंदरलाल के घर पहुंचाई। सुंदरलाल के शराब पीने से मना करने पर आरोपी ने वहां मौजूद सीताराम लहरे एवं रोहित कुमार तेंदुलकर को शराब दे दी। जहरीली शराब पीने से दोनों की तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मामले की विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल द्वारा अत्यंत सूक्ष्मता एवं प्रभावी ढंग से की गई। विवेचना के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य, कीटनाशक के डिब्बे एवं एफएसएल रिपोर्ट संकलित की गई। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत 19 गवाहों एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का अपराध संदेह से परे प्रमाणित हुआ।

इस प्रकार निरीक्षक पारस पटेल की उत्कृष्ट विवेचना एवं प्रभावी साक्ष्य संकलन से दोहरे हत्याकांड के आरोपी को न्यायालय से दो बार आजीवन कारावास की सजा दिलाने में महत्वपूर्ण सफलता मिली।

दुकान की छत पर जाकर फांसी लगाई थी दीपा ने

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। युवती दीपा सागर की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक दीपा की मौत फांसी पर लटकने से हुई थी। इसके अलावा वह सीसीटीवी कैमरे में दुकान की छत की ओर अकेली जाती नजर आई है। पुलिस अब दीपा के मोबइल फोन की कॉल डिटेल निकालने में जुट गई है। कॉल डिटेल से स्थिति और साफ हो जाएगी।

ज्ञात हो कि 2 नवंबर को कोतवाली थाना क्षेत्रांतर्गत बाफना लाइफ स्टाइल कपड़ा दुकान में



कार्यरत युवती दीपा सागर का शव दुकान की छत पर मिलने के मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम किया गया है। घटना की संवेदनशीलता एवं गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सीएसपी अंशिका जैन आईपीएस के नेतृत्व में 5 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया है। टीम में थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर, साइबर सेल प्रभारी सागर पाठक, सब इंस्पेक्टर रानी सोनी, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सतीश यादव तथा महिला प्रधान आरक्षक उमा भगत शामिल हैं। जांच के दौरान थाना कोतवाली पुलिस और एफएसएल टीम द्वारा मृतका के परिजनों की उपस्थिति में घटना स्थल एवं शव का सूक्ष्म निरीक्षण कर शव पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की गई। परिजनों की शंका के आधार पर शव का मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस कार्रवाई की हर एंगल से फोटोग्राफ़ी एवं वीडियोग्राफी कराई गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मृतका के शरीर में किसी तरह की आंतरिक चोट नहीं पाई गई है तथा लिगेचर मार्क होने का उल्लेख करते हुए मृत्यु का कारण फांसी को बताया गया है।

दीपावली की रौनक से गुलजार हुआ चारामा बाजार



विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। दीपावली पर्व नजदीक आते ही चारामा नगर में त्योहार की रौनक दिखाई देने लगी है। नगर के बाजारों और दुकानों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। दीपावली की तैयारियों को लेकर लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है।

नगर के कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन, मिठाई, सजावट, पूजा सामग्री एवं पटाखों की दुकानों में ग्राहकों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। दुकानदारों ने भी दीपावली को देखते हुए अपनी दुकानों को आकर्षक तरीके से सजाया है और ग्राहकों के लिए विभिन्न प्रकार के सामान उपलब्ध कराए हैं।

शाम होते ही बाजारों में रौनक और भी बढ़ जाती है।

एफआईआर के नाम पर 20 हजार रिश्वत मांगने का आरोप

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ में अब ठगी की शिकायत दर्ज कराने के लिए भी रिश्वत देनी पड़ेगी? जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ थाने से एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि 80 हजार रुपये की ठगी की FIR दर्ज करने के एवज में थाना प्रभारी ने 20 हजार रुपये की मांग की और पैसे नहीं देने पर धमकी तक दे डाली। अब SP से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई है।



मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है। सरयू प्रसाद पूरे और मंजू लता टंडन ने विनेश कुमार मनहर पर 80 हजार रुपये की ठगी का आरोप लगाते हुए 18 मार्च 2025 को थाने में लिखित शिकायत दी थी। लेकिन आरोप है कि FIR दर्ज करने के बजाय थाना प्रभारी ने 20 हजार रुपये रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि पैसे देने से इनकार करने पर उन्हें धमकाया गया और FIR दर्ज करने से साफ मना कर दिया गया।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पूरी घटना के दौरान उनके अधिवक्ता भी मौजूद थे, जो गवाह हैं। अब इस गंभीर आरोप को लेकर पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत की गई है। उप पुलिस अधीक्षक ने जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं शिकायतकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो थाने का घेराव किया जाएगा। आखिर ठगी की शिकायत पर FIR क्यों नहीं हुई? और रिश्वत मांगने के इन गंभीर आरोपों की जांच कब होगी? अब निगाहें पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई पर टिकी हैं।

पंचायत सचिव भर्ती प्रक्रिया में विसंगतियों पर तत्काल रोक लगाए सरकार : तुलिका कर्मा

विश्व केसरी■

दंतेवाड़ा (मुकेश ठाकुर)। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं जिला पंचायत सदस्य तुलिका कर्मा ने बस्तर संभाग में चल रही पंचायत सचिव भर्ती प्रक्रिया में गंभीर विसंगतियों का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। तुलिका कर्मा ने कहा कि पंचायत सचिव भर्ती के लिए निर्धारित अर्हता एवं अतिरिक्त अंक देने के प्रावधानों के कारण ग्रामीण पृष्ठभूमि के बेरोजगार युवाओं को चयन प्रक्रिया से बाहर होना पड़ रहा है। डीसीए के ऊपर पीजीडीसीए, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेंडरी के ऊपर स्नातक तथा स्नातकोत्तर उपाधि पर अतिरिक्त अंक देने जैसे प्रावधान



ग्रामीण युवाओं के लिए प्रतिकूल साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा है। यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों तक शिक्षा और विकास की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाईं। ऐसे में पंचायत सचिव जैसे मैदानी पदों पर भर्ती के दौरान स्थानीय परिस्थितियों और ग्रामीण युवाओं की शैक्षणिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखना आवश्यक है।

तुलिका कर्मा ने मांग की कि पंचायत सचिव पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण एवं कंप्यूटर डिप्लोमा (डीसीए) के आधार पर चयन का प्रावधान किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को अवसर मिल सके।

पैराडाइज स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई दीपावली

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। पैराडाइज हायर सेकेण्डरी सी.बी.एस.ई. स्कूल कांकेर में नर्सरी से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने मनाया दीपावली का त्योहार, छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सुंदर एवं आकर्षक रंगोलियों बनाई। इसके साथ ही ग्रीटिंग कार्ड, चित्रकला एवं दीपावली से संबंधित विभिन्न कलाकृतियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर मिडिल, हायर कक्षाओं के विद्यार्थियों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय का वातावरण रंग-बिरंगी रंगोलियों, सुंदर चित्रों और दीपावली की सजावट से जगमगा उठा। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति सम्मान, आपसी प्रेम, भाईचारे



और रचनात्मकता की भावना विकसित करना था।

स्कूल प्राचार्या श्रीमती रश्मि रजक ने सभी छात्र-छात्राओं व सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को दीपावाली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुये कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियों मनाने का त्योहार नहीं है. बल्कि यह हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर और बुराई से अच्छाई की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है, दीपावली का प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि हमें अपने जीवन में ज्ञान, प्रेम, स ?द्भावना और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाना चाहिए, आप सभी अपने जीवन में शिक्षा का दीप जलाएँ, अपने माता-पिता एवं गुरूजनों का सम्मान करें और दूसरों की सहायता करने का संकल्प लें। इस दीपावली पर हमें कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए। पटाखों से दूर रहकर सुरक्षित दीपावली मनाएँ, पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग करें, जरूदतमंदों के साथ खुशियों बॉटे, प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश फैलाएँ। हम सभी संकल्प लें कि जिस प्रकार दीपावली पर हम अपने घरों को रोशन करते हैं, उसी प्रकार अपने अच्छे विचारों और अच्छे कर्मों से समाज को भी रोशन करेंगे। आप सभी का जीवन सुख, शांति, समृद्धि और सफलता से प्रकाश से सदैव जगमगाता रहें।

सुबह के असेम्बली में मिडिल एवं हायर कक्षा के छात्रा-छात्राओं द्वारा दीपावली क्यो मनाया जाता है उसका महत्व बताते हुये कहा कि दीवाली हमारे देश का सबसे प्रमुख त्यौहार है यह अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस दिन भगवान श्रीराम चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। लोग दीप जलाकर उनका स्वागत करते हैं।

इस दिन हम अपने घरों को साफ-सुथरा कर दीपक जलाते है और माता लक्ष्मी व भगवान गणेश की पूजा करते है यह त्यौहार हमें जीवन में सदैव अच्छाई और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर श्री रामचंद्र, माता सीता एवं लक्ष्मण के वेशभूषा में शामिल हुये।

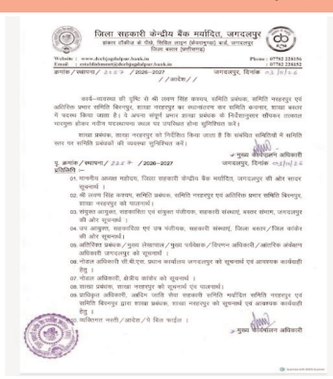
छात्राओं द्वारा त्यौहार का वर्णन इस प्रकार किया गया, गोर्वधन पूजा का महत्व इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र देव के अभिमान को दूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठाया था। इसलिए इस दिन लोग गोवर्धन पूजा करके भगवान श्रीकृष्ण को आभार व्यक्त करते हैं।

अंततः बैंक प्रबंधन ने लैंपस मैनेजर को हटाया

नरहरपुर से हटा कर भेजा कचनार किसान के फर्जी हस्ताक्षर से खाद घोटाले का मामला

विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। अखबार में खबर छपते ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर हरकत में आ गया है। लैंपस सोसायटी कचनार में किसान के फर्जी हस्ताक्षर से खाद निकालने के मामले में बैंक ने बड़ी कार्रवाई करते हुए समिति प्रबंधक का स्थानांतरण कर दिया है।



बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि कार्य-व्यवस्था की दृष्टि से लवण सिंह कश्यप, समिति प्रबंधक, समिति नरहरपुर एवं अतिरिक्त प्रभार समिति बिरनपुर, शाखा नरहरपुर का स्थानांतरण कर समिति कचनार शाखा बस्तर में पदस्थ किया जाता है। वे अपना संपूर्ण प्रभार शाखा प्रबंधक के निर्देशानुसार सौंपकर तत्काल पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करें।

क्या था पूरा मामला

ग्राम बेड़ा उमरगांव निवासी किसान श्याम लाल कश्यप ने शिकायत की थी कि उसने सोसायटी से खाद ली ही नहीं है, फिर भी 29 सितंबर 2026 को उसके खाते से 11 हजार 359 रुपए 70 पैसे का खाद आहरण दिखा दिया गया है। बैंक रसीद में उसके फर्जी हस्ताक्षर थे।शिकायत करने पर प्रबंधक ने कहा था-जो कराना है करा लो। हमारे समाचार पत्र में खबर छपने और किसान द्वारा थाने में शिकायत करने के बाद ही बैंक प्रबंधन ने इस मामले को गंभीरता से लिया। कचनार समिति में सबसे बड़ा घोटाला हुआ था, अब उसी समिति में नए प्रबंधक की पदस्थापना की गई है।

आदेश में तत्काल उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करें 'लिखा है, यानी बैंक अब लीपापोती के मूड में नहीं है।

अभी अधूरी है ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ तबादला काफी नहीं है। फर्जी हस्ताक्षर करने वाले, रसीद काटने वाले और खाद गबन करने वाले के खिलाफ एफआईआर, वसूली और बर्खास्तगी होनी चाहिए। अगर सिर्फ तबादले से मामला दबाया गया तो किसान फिर आंदोलन करेंगे।



'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर, कभी नहीं होने दिया सीनियर होने का एहसास

मुंबई। अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं।



"किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।

– कशिका कपूर

गाने के बारे में ऐसी थी जानकारी

अभिनेत्री ने बताया, "नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ।"

जेन जी से जुड़ाव की वजह

कशिका कपूर ने बताया, "मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं।"

दर्शकों के प्यार पर जताया आभार

उन्होंने कहा, "लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं। लोग मेरे डांस और एक्सप्रेशन्स की तारीफ कर रहे हैं और मुझे लगता है सबको यह गाना पसंद आ रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी है।"

मीरा राजपूत का नाम सुनते ही करण जौहर ने करिश्मा कपूर को रोका, बोले- 'आगे कुछ मत कहना'



विश्व केसरी

मुंबई। करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में एक ऐसा मजेदार पल देखने को मिला, जब करीना कपूर ने अपनी बहन करिश्मा कपूर को फोन लगाया। करिश्मा ने फोन तो उठा लिया लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनकी बातचीत शो के सेट पर स्पीकर फोन के जरिए सब लोग सुन रहे हैं।

शुरुआत में वह करीना से नॉर्मल बातचीत करती रहीं लेकिन जैसे ही उन्हें पता चला कि उनकी आवाज करण जौहर और शो की टीम भी सुन रही है, वह हैरान रह गईं। इस दौरान उनकी बातचीत में कुछ ऐसा हुआ कि सेट पर मौजूद लोग भी हंसने लगे।

दरअसल, शो के एक खास सेगमेंट में मेहमानों को कुछ मशहूर हस्तियों को फोन करना था और उनसे 'हाय करण, इट्स मी' कहलवाना था। ऐसा करने पर उन्हें पाइंट्स मिलने थे। इसी दौरान करीना ने अपनी बहन करिश्मा को फोन किया। करीना ने उनसे पूछा कि क्या चल रहा है और वह क्या कर रही हैं?

इस पर करिश्मा ने बताया कि वह करीना का टॉक शो 'व्हाट वुमेन वांट' देख रही हैं। इस शो के हालिया एपिसोड में मीरा राजपूत मेहमान बनकर पहुंची थीं। करिश्मा ने बातचीत के दौरान कहा, ''मैं बस तुम्हें और मीरा को देख रही हूं। सब कह रहे हैं कि आखिर क्या चल रहा है?''

मीरा राजपूत का नाम सुनकर करण जौहर ने बातचीत के बीच में दखल दिया और करिश्मा को रोकते हुए कहा, ''तुम 'कॉफी विद करण' पर हो, इससे आगे कुछ मत कहना।''

करण की बात सुनकर करिश्मा को एहसास हुआ कि उनकी बातचीत स्पीकर पर सब सुन रहे हैं। वह हैरान रह गईं और मजाकिया अंदाज में बोलीं, ''ओह नहीं, तुम मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकती हो बेबो?''

इस पूरे घटनाक्रम में करिश्मा का मीरा का नाम लेने का अंदाज भी चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने मीरा का जिक्र कुछ इस तरह किया, जैसे वह अपनी बहन से उनके बारे में कुछ मजेदार बातें साझा करने वाली हों।

बता दें कि शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत हाल ही में करीना कपूर खान के टॉक शो 'व्हाट वुमेन वांट' में पहुंची थीं। शाहिद और करीना एक समय रिश्ते में थे, ऐसे में मीरा का करीना के शो में पहुंचना लोगों के लिए दिलचस्प रहा। शो के दौरान मीरा ने शाहिद के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने शाहिद को बच्चों के लिए एक अच्छा पिता बताया। साथ ही पति और जीवनसाथी के रूप में भी उनकी तारीफ की।

रामायण में कैकेयी बनकर इमोशनल हुई लारा दत्ता, पिता को किया याद, बोलीं- काश वो यहां होते

विश्व केसरी

मुंबई। महाकाव्य 'रामायण' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में अभिनेत्री लारा दत्ता माता कैकेयी के रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस मौके पर अगर उनके पिता जी होते तो उन पर गर्व करते।

लारा दत्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह कैकेयी के रोल में नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, 'जो कई साल पहले एक दिली इच्छा के तौर पर शुरू हुआ था। किसी ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना, जो अपने आप में ऐतिहासिक है। कुछ ऐसा जो वक्त से भी आगे निकल जाए और हमारी जिंदगी का ही हिस्सा हो। आज, वो इच्छा एक ऐसी कहानी में जगह बना रही है, जो अनंत काल से टाइमलेस है।'

अभिनेत्री ने आगे माता कैकेयी का रोल निभाने की जिम्मेदारी पर बात करते हुए लिखा, 'माता कैकेयी का रोल निभाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। वह इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिलाओं में से एक रही हैं। उनका गुस्सा, कमजोरी, अपराधबोध और पछतावा पर्दे पर जीवंत करने की जिम्मेदारी मिलना बहुत बड़ी बात है।'

उन्होंने लिखा, 'मैं दिल से आभारी हूं। आज यह दिव्य कहानी आप सभी तक पहुंच रही है और मुझे उम्मीद है कि मैंने अपने अभिनय से मैं माता कैकेयी के साथ न्याय कर पाई होंगी। आप इस कहानी को सदियों की धारणाओं से आगे बढ़कर देखें और दिव्य भविष्यवाणी को पूरा करने में माता कैकेयी के अहम रोल को अपनाएंगे।'

लारा दत्ता ने उन पर भरोसा करने के लिए प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा और डायरेक्टर नितेश तिवारी को भी धन्यवाद दिया।

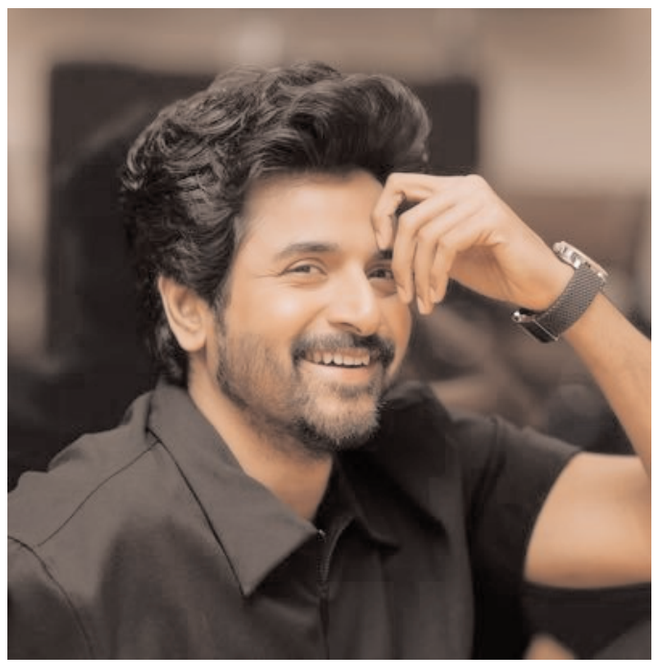
'सेयोन' की शूटिंग के लिए मदुरै जाएंगे शिवकार्तिकेयन, 30 दिनों तक करेंगे शूटिंग

विश्व केसरी

चेन्नई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता शिव कार्तिकेयन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। वह निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की फिल्म 'सेयोन' की शूटिंग जल्द ही दोबारा शुरू करने वाले हैं। फिल्म की टीम ने इसके अगले शेड्यूल की तैयारी कर ली है, जो काफी लंबा होने वाला है। इस शेड्यूल के लिए शिव कार्तिकेयन मदुरै जाएंगे, जहां 25 से 30 दिनों तक फिल्म की शूटिंग की जाएगी।

अभिनेता के करीबी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि शिवकार्तिकेयन जल्द ही मदुरै के लिए रवाना होंगे। यहां फिल्म का तीसरा शेड्यूल शूट किया जाएगा। एक सूत्र ने बताया, ''फिल्म का तीसरा शेड्यूल काफी लंबा होगा। इसकी अवधि करीब 25 से 30 दिनों की होगी।''

शिवकार्तिकेयन एक साथ निर्देशक रामकुमार बालकृष्णन की आने वाली फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है और फिलहाल इसे 'एसके27' कहा जा रहा है। इसकी शूटिंग इस साल 25 सितंबर को शुरू हुई थी।



वहीं, 'सेयोन' की शूटिंग भी जल्द शुरू होने वाली है। फिल्म के लिए अब सिनेमैटोग्राफर विदु अय्यना कैमरा संभालेंगे। इससे पहले इस फिल्म के सिनेमैटोग्राफर विवेक विजयकुमार थे लेकिन तारीखों से जुड़ी परेशानी के कारण उन्हें प्रोजेक्ट छोड़ना पड़ा। कुछ दिन पहले निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए फिल्म के कुछ हिस्सों को दोबारा शूट किए जाने की खबरों को खारिज किया था।

निर्देशक ने लिखा था, ''नहीं भाई। विवेक एक बेहतरीन सिनेमैटोग्राफर हैं। यह बदलाव सिर्फ तारीखों से जुड़ी परेशानी के कारण किया गया है क्योंकि उन्होंने पहले ही दो फिल्मों की शूटिंग के लिए अपनी तारीखें दी हुई थीं। 'सेयोन' बहुत शानदार तरीके से बन रही है। शुक्रिया।'' विदु अय्यना इससे पहले शिवकार्तिकेयन की फिल्म 'मावीरन' में सिनेमैटोग्राफर के तौर पर काम कर चुके हैं।

फिल्म के निर्माताओं ने इसी साल 10 जून को पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी थी।

जेडी मजेठिया की नई सीरीज 'तुलसी है ना' का हिस्सा बनेंगी शुभांगी अत्रे, तुलसी का निभाएंगी किरदार



विश्व केसरी

मुंबई। निर्माता, क्रिएटर और अभिनेता जेडी मजेठिया अपनी सीरीज 'चुंबक' की बड़ी सफलता के बाद अब कहानी कहने के एक नए अंदाज के साथ दर्शकों के सामने आने की तैयारी कर रहे हैं। वह अपनी आने वाली सीरीज 'तुलसी है ना' के जरिए एआई की मदद से कहानी पेश करने का नया एक्सपेरिमेंट करने जा रहे हैं।

इस सीरीज में असली चेहरों और आवाजों का इस्तेमाल करते हुए एआई के जरिए दर्शकों को एक अलग अनुभव देने की कोशिश की जाएगी।

'भाबीजी घर पर हैं' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे इस ड्रामा सीरीज में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। वह सीरीज में तुलसी का किरदार निभाएंगी।

नई सीरीज के बारे में बात करते हुए जेडी मजेठिया ने कहा, ''एक क्रिएटर के तौर पर हम हमेशा समय के साथ आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं। 'चुंबक' के बाद हम यह जानना चाहते थे कि नई तकनीक कहानी कहने के तरीके को किस तरह बेहतर बना सकती है।''

उन्होंने कहा, ''तुलसी है ना' के जरिए हमने एक ऐसा फॉर्मेट तैयार किया है, जिसमें तकनीक कहानी की दुनिया को बड़ा बनाती है, लेकिन उसकी भावनाओं को कम नहीं करती। इस सीरीज में शुभांगी का मुख्य भूमिका निभाना इसे और भी खास बनाता है।''

वहीं, शुभांगी अत्रे भी जेडी मजेठिया के साथ दोबारा काम करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ''जमनादास (जेडी) मजेठिया के साथ काम करना हमेशा खास होता है। हम पहले भी साथ काम कर चुके हैं और अब 'तुलसी है ना' जैसे अलग तरह के प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आना इस अनुभव को और रोमांचक बनाता है।''

सीरीज के नए फॉर्मेट पर बात करते हुए शुभांगी ने कहा, ''एक अभिनेता के तौर पर हम हमेशा कुछ नया करने के मौके तलाशते रहते हैं। इस प्रोजेक्ट ने मुझे कहानी कहने के ऐसे अंदाज का हिस्सा बनने का मौका दिया, जो हमारे लिए अब तक काफी अलग रहा है।

असली अभिनय, आवाजों और एआई का एक साथ इस्तेमाल कई नई संभावनाएं खोलता है। तुलसी का किरदार निभाना मेरे लिए खास अनुभव रहा है। मुझे खुशी है कि मैं ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा हूं, जो कहानी को सबसे अहम रखते हुए नई तकनीक को अपना रहा है।''

'तुलसी है ना' का प्रीमियर 7 नवंबर को हो सकता है।

कंटेस्टेंट, होस्ट और अब गैंग लीडर... दो दशक में ऐसा रहा बानी जे का 'रोडीज' सफर

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री और टीवी पर्सनैलिटी बानी जे ने करीब दो दशक बाद रियलिटी शो 'रोडीज' में वापसी की है। खास बात यह है कि जिस शो में उन्होंने कभी एक कंटेस्टेंट के तौर पर अपने सफर की शुरुआत की थी, अब उसी शो में वह गैंग लीडर के तौर पर नजर आएंगी।

'रोडीज' के चौथे सीजन से अब तक के सफर को याद करते हुए बानी ने कहा कि पिछले कुछ सालों में 'रोडीज' काफी बदल गया है और इस दौरान उनमें भी कई बदलाव आए हैं।

बानी ने कहा, ''शो में वापसी करना मेरे लिए काफी दिलचस्प अनुभव है। मैंने इस शो को कई अलग-अलग नजरियों से देखा है। पहले मैं इसकी कंटेस्टेंट रही, फिर होस्ट बनी और अब गैंग लीडर के तौर पर वापसी कर रही हूं। हर भूमिका ने मुझे कुछ नया सिखाया है और यही वजह है कि इस बार लौटना मेरे लिए खास है। गैंग लीडर के तौर पर मैं एक मजबूत गैंग बनाना चाहती हूं



और इस सफर में शामिल होने वाले रोडीज से मिलने का इंतजार कर रही हूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''रोडी बनना आसान नहीं है। इस सफर में आपको हर दिन अपनी जगह खुद बनानी पड़ती है। इस बार ओजी और न्यू जी एक साथ आ रहे हैं, इसलिए मुकाबला पहले से ज्यादा दिलचस्प होने वाला है। नए चेहरे, नए समीकरण, नई दुश्मनी और कुछ ऐसे मोड़ भी देखने को मिलेंगे, जिनकी किसी ने कल्पना नहीं की होगी। यही चीज 'रोडीज' को रोमांचक बनाती है। अब देखते हैं कि राख से उठकर आगे बढ़ने का दम किसमें है।''

बता दें कि 'रोडीज' के नए सीजन में इस बार ओजी बनाम न्यू जी का फॉर्मेट पेश किया गया है। इसमें छह गैंग लीडर दो अलग-अलग टीमों में बंटकर एक-दूसरे को चुनौती देते नजर आएंगे। बानी जे न्यू जी टीम का हिस्सा होंगी। उनके साथ अभिषेक मल्हान और बसीर अली भी टीम में शामिल हैं। वहीं, ओजी टीम में निखिल चिनापा, नेहा धूपिया और प्रिंस नरूला नजर आएंगे।

'रोडीज' से पहचान बनाने के बाद बानी ने 19 साल की उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने गुयाना के राष्ट्रपति से मुलाकात की; 500 मिलियन डॉलर क्रेडिट लाइन विस्तार का ऐलान

विश्व केसरी■



सेंट जॉन्स (एंटीगुआ और बारबुडा)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'कॉमनवेल्थ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट मीटिंग' (सीएचओजीएम) 2026 के दौरान गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात की। इस मौके पर दोनों देशों ने दक्षिण अमेरिकी देश के सार्वजनिक और रक्षा बुनियादी ढांचे के लिए 500 मिलियन डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (ऋण सुविधा) को बढ़ाने की घोषणा की।

विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर कहा, 'गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली से मिलकर खुशी हुई। 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की। हमने सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (ऋण सुविधा) बढ़ाने की घोषणा की है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमने एमएसई (सूक्ष्म और लघु उद्यम) विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति और स्थापना, 'क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स' (त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं) को लागू करने के लिए अनुदान सहायता, और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा गुयाना में यूपीआई जैसी प्रणाली के संचालन में सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2024 में गुयाना की एक ऐतिहासिक राजकीय यात्रा की थी - जो 56 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की इस देश की पहली यात्रा थी। इस दौरान उन्हें गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा गया था। मई 1966 में गुयाना की स्वतंत्रता के बाद से ही, भारत और गुयाना के बीच संबंध काफी करीबी और सौहार्दपूर्ण रहे हैं, जिनमें आपसी समझ का स्तर बहुत ऊंचा है।

पिछले महीने, गुयाना में भारत के उच्चायुक्त चिन्मय नाइक ने जॉर्जटाउन में आयोजित एक आधिकारिक समारोह में राष्ट्रपति इरफान अली को अपना परिचय पत्र (क्रेडेंशियल्स) सौंपा। इस मुलाकात के दौरान, दोनों पक्षों ने भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दिया।

गुयाना में भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर पोस्ट किया, 'द्विपक्षीय बातचीत के दौरान, भारत और गुयाना के बीच बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। साथ ही, कई क्षेत्रों में मौजूद अपार संभावनाओं का लाभ उठाने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।'

इरफान अली के अलावा जयशंकर ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम से अलग-अलग मिले। इसकी जानकारी भी

जर्मन विदेश मंत्री ने अमेरिका-इजरायल हमले को बताया सही

विश्व केसरी■



तेहरान। तेहरान ने जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के उस बयान पर सख्त ऐतराज जताया है जिसमें उन्होंने ईरान पर अमेरिका-इजरायल की संयुक्त कार्रवाई का बचाव किया था। गुरुवार को ईरानी विदेश मंत्रालय ने इसे 'शर्मनाक और निम्न स्तर का बयान' करार दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट के जरिए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने उनकी आलोचना की। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की पुरानी टिप्पणी याद दिलाई।

पोस्ट में लिखा, 'एक समय चांसलर मर्ज ने बड़े उत्साह से कहा था कि इजरायल, ईरान पर हमला करके 'गंदा काम' कर रहा है। लेकिन कुछ ही महीनों बाद, वही चांसलर अब इस बात पर अफसोस जता रहे हैं कि इस युद्ध की वजह से यूरोपीय अर्थव्यवस्था को 100 अरब यूरो का नुकसान हो रहा है!'

बाघेई ने आगे लिखा, 'अब उनके विदेश मंत्री भी ईरान पर हुए सैन्य हमले को सही ठहराने के लिए मजबूर महसूस कर रहे हैं। बाघेई ने आगे कहा कि वे इतनी उदासीनता और गहरे नैतिक पतन का शिकार हैं कि न तो उन्हें इंसानी जानों के नुकसान और युद्ध अपराधों का एहसास है, और न ही वे उस आर्थिक नुकसान को समझ पा रहे हैं जो यह युद्ध उनके अपने देश और पूरे यूरोप को पहुंचा रहा है।'

बाघेई ने एक जर्मन कहावत के जरिए अपनी बात पर विराम लगाया। उन्होंने कहा , 'नुकसान उठाने से इंसान समझदार बनता है।' लेकिन ऐसा लगता है कि 'हंस गुक-इन-दी-लुफ्ट' (लापरवाह व्यक्ति) को कुछ भी सिखाया नहीं जा सकता। विदेश मंत्री वाडेफुल का बुधवार को एक पॉडकास्ट प्रसारित हुआ जिसमें उन्होंने सैन्य हमले को सही तो नहीं ठहराया लेकिन साथ ही उन्होंने कहा, 'इस टकराव का कारण जाहिर तौर पर ईरान है, जो खुद को परमाणु हथियारों से लैस करने की तैयारी कर रहा है और कई पड़ोसी देशों में ऐसे मिलिशिया समूहों का समर्थन करता है।

संक्षिप्त खबर

उत्तर कोरिया ने नई वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली का किया परीक्षण

विश्व केसरी■



सोल। उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के इरादे से नई वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली का परीक्षण किया है। देश की सरकारी मीडिया ने गुरुवार को बताया कि यह परीक्षण बुधवार को किया गया। इसके साथ ही उत्तर कोरिया की लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइल इकाई ने एक काल्पनिक हवाई अड्डे को निशाना बनाकर हमला करने का अभ्यास भी किया। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से योनहाप ने बताया, मिसाइल प्रशासन ने नई वायु रक्षा प्रणाली की तकनीकी क्षमताओं और विश्वसनीयता की जांच के लिए परीक्षण किया। इसकी निगरानी केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य किम जोंग-सिक ने की। केसीएनए ने बताया, 'परीक्षण के दौरान मिसाइल में इस्तेमाल की गई नई सामग्रियों, उसकी बहुस्तरीय निर्देशित प्रणाली, लक्ष्य की पहचान करने और उसका पीछा करने की क्षमता तथा निगरानी से जुड़ी सूचनाओं को संसाधित करने वाले उपकरणों की जांच की गई।' उत्तर कोरिया ने बताया कि इसी दिन देश के पूर्वी क्षेत्र में तैनात लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइल इकाई के एक दस्ते ने भी सैन्य अभ्यास किया। इस दौरान लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों से एक काल्पनिक हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया।

राजस्थान के नागौर में बारूद बनाने वाली इकाई में विस्फोट में दो की मौत

विश्व केसरी■



नागौर। राजस्थान के नागौर जिले में गुरुवार सुबह बारूद बनाने वाली एक इकाई में हुए विस्फोट में कम से कम दो लोगों की जलकर मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बादली इलाके में गुरुवार सुबह 9:40 बजे धमाका हुआ, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि अभी भी कुछ और मजदूर वहां फंसे हो सकते हैं। धमाका इतना जोरदार था कि इसकी आवाज लगभग आधा किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह गोदाम अमीन नाम के एक व्यक्ति का है। धमाके के असल कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस बारे में और जानकारी और आधिकारिक बयान का इंतजार है। दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बचाव कार्य के दौरान दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल मिले। अभी तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। गोदाम के जिस हिस्से में धमाका हुआ, वहां तैयार पटाखों का जखीरा भी मिला है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां पोटेशियम नाइट्रेट मिलाकर बारूद बनाया जाता था। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने तुरंत आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू कर दी जबकि पुलिस ने राहत और बचाव कार्यों की कमान संभाल ली। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पटाखों में आग लगी जो तेजी से फैल गई और अंतत: एक जोरदार धमाका हो गया।

होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंग से टकराए दो टैंकर और एक टगबोट, लगी आग: ईरान

विश्व केसरी■



तेहरान। ईरान ने गुरुवार को दावा किया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे दो टैंकर्स और एक टगबोट में आग लग गई। उनके मुताबिक ये अनधिकृत रास्ते से निकलने की कोशिश कर रहे थे और इसी दौरान बारूदी सुरंग से टकरा गए जिससे आग लग गई। इसी बीच, ईरान की इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर यूनिट्स ने अमेरिका के दो 'लुकास' ड्रोन को अपने कब्जे में लेने का दावा भी किया है।

ईरान की अर्ध-सरकारी न्यूज एजेंसी फार्स ने इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के हवाले से ये जानकारी साझा की। आईआरजीसी के अनुसार, 'एक 'अनधिकृत रास्ते' से गुजरने की कोशिश के दौरान होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों और एक टगबोट में आग लग गई।'

आईआरजीसी के बयान अनुसार, 'बुधवार रात होर्मुज स्ट्रेट के दक्षिणी रास्ते से गुजरते समय एक बड़ा तेल टैंकर बारूदी सुरंग (माइन) से टकरा गया, जिससे उसमें आग लग गई। वहीं, एक दूसरा सुपरटैंकर जलमार्ग के पूर्वी हिस्से से बाहर निकलते समय आग की चपेट में आ गया, और आग बुझाने के लिए भेजी गई एक टगबोट भी बाद में जलने लगी।'

बयान में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा जहाजों को बारूदी सुरंगों वाले रास्तों से ले जाने की जिद के कारण, अमेरिकी करदाताओं और क्षेत्रीय सहयोगियों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है और बीमा का खर्च भी बढ़ रहा है।

वहीं, आईआरजीसी की नौसैनिक इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर यूनिट्स ने दावा किया कि उनके वायुक्षेत्र में घुसे दो अमेरिकी 'लुकास' ड्रोन को उन्होंने अपने नियंत्रण में ले लिया।

इससे पहले बुधवार को भी नौसैनिक यूनिट ने अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने की बात कही थी। बयान के अनुसार, 'आईआरजीसी ने होर्मुज स्ट्रेट में केशम द्वीप के ऊपर एक यूएस एमक्यू-1 ड्रोन को इंटरसेप्ट करके नष्ट कर दिया। यह ईरानी एयर डिफेंस द्वारा गिराया गया अपनी तरह का 15वां एयरक्राफ्ट है।'

फ्रांस में वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हजारों कर्मचारी, देशभर में प्रदर्शन तेज

विश्व केसरी■



पेरिस। फ्रांस में गुरुवार को सैकड़ों कर्मचारियों ने वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। देश में येलो वेस्ट आंदोलन, ट्रेड यूनियनों, छात्रों और विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए विरोध प्रदर्शनों का दौर तेज हो गया है।

फ्रांस 24 की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेड यूनियनों ने उच्च वेतन की मांग और हाई स्कूल छात्रों के आंदोलन के समर्थन में प्रदर्शन किया। ये विरोध प्रदर्शन ऐसे समय हो रहे हैं जब फ्रांसीसी सांसदों ने वर्ष 2027 के बजट विधेयक के पहले हिस्से को खारिज कर दिया है। यूरो न्यूज के मुताबिक, सरकार का मूल बजट प्रस्ताव अब सीनेट के सामने पेश किया जाएगा, जहां 9 दिसंबर को इस पर मतदान होना है।

इसके बाद एक संसदीय समिति दोनों पक्षों के बीच सहमति बनाने की कोशिश करेगी और फिर विधेयक को दोबारा नेशनल असेंबली में पेश किया जाएगा।

फ्रांस में पिछले कई सप्ताह से विरोध प्रदर्शन जारी है। इसकी शुरुआत सितंबर में छात्रों द्वारा किए गए प्रदर्शनों से हुई थी। छात्रों ने कक्षाओं में अत्यधिक भीड़, शिक्षकों की कमी और विश्वविद्यालयों में प्रवेश से जुड़ी समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाई थी। बाद में ट्रेड यूनियनों ने भी छात्रों की मांगों का समर्थन किया और महंगाई, बढ़ती जीवन-यापन लागत तथा ईंधन की बढ़ती कीमतों के खिलाफ मार्च निकाले। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने कहा कि गुरुवार को सुरक्षा व्यवस्था के लिए 70,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की प्राथमिक जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से हों और किसी तरह की हिंसा न हो।

कर्नाटक में गन्ना किसानों का 'जेल भरो' आंदोलन; पुलिस ने बेलगावी में रोका मार्च

विश्व केसरी■



बेलगावी। कर्नाटक में गन्ना किसानों ने गुरुवार को 'जेल भरो' आंदोलन शुरू कर दिया। किसान राज्य सरकार से प्रति टन 1,000 रुपए की सब्सिडी की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने उत्तर कर्नाटक के बेलगावी के बाहरी इलाके में उनकी विरोध रैली को रोक दिया और प्रमुख किसान नेताओं को हिरासत में ले लिया।

किसानों की मांग है कि चीनी फैक्ट्रियां प्रति टन 4,500 रुपए दें और राज्य सरकार अतिरिक्त 1,000 रुपए दे, जिससे कुल कीमत 5,500 रुपए प्रति टन हो जाए। वे केंद्र सरकार से चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य (एमएसपी) मौजूदा 31 रुपए से बढ़ाकर 60 रुपए प्रति किलो करने की भी मांग कर रहे हैं।

पुलिस ने बेलगावी शहर के बाहरी इलाके में मुक्ति मठ के पास प्रदर्शन कर रहे किसानों को रोक दिया। इस दौरान किसानों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी बहस हुई। विरोध मार्च का नेतृत्व कर रहे किसान नेता चूनप्पा पुजारी को बेलगावी के पास गुरलापुरा में हिरासत में ले लिया गया। विरोध से जुड़े एक अन्य प्रमुख नेता शशिकांत गुरुजी को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। चूनप्पा पुजारी ने कहा कि वह जेल जाने के लिए तैयार हैं लेकिन राज्य सरकार को किसानों को प्रति टन गन्ने पर 1,000 रुपये की सब्सिडी देनी ही होगी।

उन्होंने कहा, 'अगर मुझे जेल भेजा जाता है तो ठीक है, लेकिन किसानों को सरकार से 1,000 रुपए की सब्सिडी मिलनी चाहिए। कर्नाटक बंद होगा। कोई भी चीनी मिल नहीं चल पाएगी। समझौता लागू होने के बाद ही वे चल पाएंगी।'

चूनप्पा पुजारी ने मांग की कि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कैबिनेट बैठक में प्रति टन 1,000 रुपए की सब्सिडी की घोषणा करें।

उन्होंने चेतावनी दी कि किसान आंदोलन जारी रखेंगे और जहां भी अधिकारी उनकी आवाजाही रोकने की कोशिश करेंगे, वहां सड़क जाम करेंगे।

रामलीला मैदान में लोकतंत्र नहीं, परिवार बचाने के लिए जुटा था इंडिया ब्लॉक : योगी आदित्यनाथ

विश्व केसरी■



गाजियाबाद। गाजियाबाद में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को संबोधित करते हुए इंडिया ब्लॉक पर परिवारवाद का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक नवंबर को यह सभी लोग रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाने के लिए नहीं, बल्कि परिवार को बचाने के लिए एकजुट हुए, जनता इनकी सच्चाई को अच्छे से जानती है।

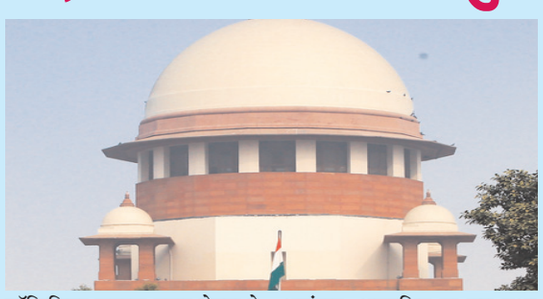
योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास देखा है, जो विपक्ष को पसंद नहीं आ रहा है। 2014 से पहले भारत में अविश्वास, अराजकता, नक्सलवाद, आतंकवाद और भ्रष्टाचार का बोलबाला था, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब सुरक्षित है और आतंकवाद तथा नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमें लोकतंत्र पर उपदेश दे रही है। यह वही कांग्रेस है जिसने 1975 में देश में आपातकाल लगाया था। जिस कांग्रेस ने कभी आपातकाल लगाने की साजिश रची थी, उसका आज हमें लोकतंत्र पर उपदेश देना बेहद हास्यास्पद है। भारत का हर नागरिक लोकतंत्र के प्रति जागरूक है और वह जानता है कि लोकतंत्र के रास्ते में आने वाली रुकावटों को कैसे मजबूती से तोड़ना है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल एक सच्चाई को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। जब वे चुनाव जीतते हैं, तो इसे अपनी काबिलियत का प्रमाण बताते हैं, लेकिन हारने पर ईवीएम को दोष देने लगते हैं।

देश में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार हुआ है। दिल्ली और मेरठ के बीच रैपिड रेल का संचालन इसका उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस के शासनकाल में देश में एम्स की संख्या सीमित थी।

यूजीसी के जातिगत भेदभाव विरोधी नियमों की होगी दोबारा समीक्षा, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिया भरोसा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से बनाए गए नए नियमों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई। इस दौरान केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि वह विवादित यूजीसी नियमों की दोबारा समीक्षा करेगी और इसके लिए एक समिति भी गठित की जाएगी।

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वस्त किया कि नियमों की समीक्षा के दौरान सभी वर्गों के छात्रों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी वर्ग का छात्र खुद को असंतुष्ट, असुरक्षित या डरा हुआ महसूस न करे। इस पर चीफ जस्टिस ने भी कहा कि हर छात्र के हितों की रक्षा करना जरूरी है। नियम बनाते समय देश की युवा पीढ़ी के हितों और भावनाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि यूजीसी नए नियमों पर पुनर्विचार कर रहा है और इसके लिए एक समिति गठित करने पर भी विचार किया जा रहा है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के इन नियमों पर अंतरिम रोक लगाते हुए केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी किया था।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2026 के एक प्रावधान को चुनौती दी गई है। इन नियमों को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया गया था। याचिका में नियम के प्रावधान 3(सी) को मनमाना और भेदभावपूर्ण बताया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि इस प्रावधान के कारण कुछ वर्गों के छात्रों को उच्च शिक्षा से बाहर किया जा सकता है। याचिका में कहा गया है कि यह प्रावधान संविधान में दिए गए समानता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है।

भोपाल में सफाई कर्मियों की हड़ताल, हर तरफ लगे गंदगी के ढेर

विश्व केसरी■



भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इस हड़ताल के चलते राजधानी की सफाई व्यवस्था पूरी तरह गड़बड़ा गई है। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की मांग है कि उन्हें न्यूनतम 25 हजार मासिक का वेतन दिया जाए। साथ ही उनकी वर्षों से जो लंबित मांगे हैं उन्हें पूरा किया जाए। सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि बीते कई सालों से नगर निगम द्वारा उन्हें सिर्फ आश्वासन दिया जाता है कि जल्द ही उनकी मांगों को पूरा कर दिया जाएगा ।

इस बार उन्होंने तय कर लिया है कि जब तक मांग पूरी नहीं होगी, तब तक वे काम पर नहीं लौटेंगे । दीपावली करीब है और सफाई कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं, जिसका नतीजा यह हो रहा है कि राजधानी में जगह-जगह कचरा के ढेर लगे हैं ।

घरों से निकलने वाला कचरा भी घरों के भीतर रखा हुआ है क्योंकि नियमित रूप से सफाई कर्मचारियों की गाड़ी आती है और कचरा ले जाती है मगर तीन दिनों से यह गाड़ियां नहीं आ रही है और लगभग हर घर में बड़ी मात्रा में कचरा जमा हुआ है। सफाई कर्मचारी नगर निगम मुख्यालय में जमा हुए हैं और उन्हें अन्य कर्मचारियों का भी साथ मिल रहा है। सफाई कर्मचारियों ने साफ चेतावनी दे दी है कि जब तक उनकी मांगे नहीं मानती जाती हैं वे काम पर नहीं लौटेंगे। अगर ऐसा हुआ तो साफ सफाई के पर्व दीपावली के अवसर पर शहर में जगह-जगह गंदगी नजर आएगी। निगम की नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि नगर निगम की हर बार होने वाली बैठक में सफाई कर्मचारियों के वेतन और सुविधाओं का मसला उठाया जाता है।

भाविना पटेल: पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास, पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है।

भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था। वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया।

पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया।

टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला।

39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है। भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था।

शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।



अंडर-19 एशिया कप : कौशिका कुमारसिंघे ने खोला 'पंजा', श्रीलंका ने मलेशिया को 9 विकेट से रौंदा



विश्व केसरी ■

अल अमेरत। एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप 2026 के पहले मैच में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 9 विकेट से रौंदा। अल अमेरत क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में मलेशिया से मिले 89 रनों के लक्ष्य को श्रीलंका ने आसानी से 13.5 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका अंडर-19 टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान विरन चमुदिथा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। हालांकि, इसके बाद रेहान पीरिस और सेनुजा वेकुनागोडा ने मोर्चा संभाला और दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 91 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए श्रीलंका को आसान जीत दिलाई।

रेहान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों में 54 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 7 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, सेनुजा ने 35 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए।

इससे पहले, श्रीलंका के गेंदबाजों के आगे मलेशिया के बल्लेबाजी क्रम ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 28.1 ओवर में 88 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मलेशिया के 10 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सके। सिर्फ स्यामिल अकील अकेले टीम की ओर से लड़ाई लड़ते नजर आए। उन्होंने 50 गेंदों का सामना करते हुए 51 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान उन्होंने 7 चौके और 2 छक्के लगाए।

हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बाकी किसी भी बल्लेबाज का साथ नहीं मिल सका। मलेशिया के तीन बल्लेबाज बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। श्रीलंका के गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा।

कौशिका कुमारसिंघे ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 6 ओवर के स्पेल में 30 रन देकर 5 विकेट चटकाए। वह टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

इसके अलावा, विग्नेश्वरन आकाश ने भी अपनी गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया। उन्होंने 4.1 ओवर में महज 7 रन खर्च किए और मलेशिया के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

वहीं, चनीरू सेनारत्ने ने भी एक विकेट चटकाया। श्रीलंका ने अंडर-19 एशिया कप का आगाज जीत के साथ किया है। टीम अब अपने अगले मुकाबले में बांग्लादेश से शनिवार (7 नवंबर) को भिड़ेगी। वहीं, मलेशिया का सामना शनिवार को ही अफगानिस्तान से होगा।

डीडीसीए ने टी20 ट्रॉफी के लिए दिल्ली महिला अंडर-23 टीम का किया ऐलान, शिवी शर्मा बनीं कप्तान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) ने टी20 ट्रॉफी 2026-27 के लिए दिल्ली महिला अंडर-23 टीम की घोषणा कर दी है। शिवी शर्मा को इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है।

डीडीसीए ने 14 नवंबर से हरियाणा में शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान किया है। टीम की कमान शिवी संभालेंगी, जबकि परुनिका सिसोदिया को उप-कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस टीम में उभरती हुई प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण है और सभी खिलाड़ी टूर्नामेंट में राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।

बुधवार को डीडीसीए की सीनियर महिला चयन समिति की बैठक के बाद इस टीम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में रीमा मल्होत्रा ??(चेयरपर्सन), स्वर्ण चड्ढा (चयनकर्ता), रानी ओझा (चयनकर्ता), अंजलि शर्मा (सदस्य, सीएसी-डीडीसीए), लतिका कुमारी (मुख्य कोच) और अशोक शर्मा (सचिव) शामिल रहे।

शिवी राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगी। उन्हें सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी के लिए भी दिल्ली की टीम में शामिल किया गया है, जहां सोनी यादव टीम की कप्तानी करेंगी और श्वेता सहरावत उनकी डिप्टी (उप-कप्तान) होंगी।

विराट कोहली ने बताया, चैंपियंस ट्रॉफी 2013 के फाइनल में खेली पारी को वनडे करियर की 'सर्वश्रेष्ठ इनिंग'

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने गुरुवार को अपने 38वें जन्मदिन के मौके पर चैंपियंस ट्रॉफी 2013 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 34 गेंदों में 43 रनों की अपनी पारी को अपनी सर्वश्रेष्ठ वनडे पारी के रूप में चुना है।

38 वर्षीय कोहली क्रिकेट प्रेमी देश की धड़कन बने हुए हैं। वह वनडे क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और अब भारत के लिए केवल इसी फॉर्मेट में खेल रहे हैं। अपने डेब्यू के बाद से ही, 'रन-मशीन' कोहली ने कई ऐसी पारियां खेली हैं जिन्हें देखकर हर कोई उनका कायल हो गया। उन्हें सही मायनों में 'चेज मास्टर' (लक्ष्य का पीछा करने में माहिर) और दुनिया के बेहतरीन वनडे बल्लेबाजों में से एक माना जाता है।

विराट कोहली के सामने अपनी सर्वश्रेष्ठ पारियों को चुनने के लिए कई विकल्प थे, जिनमें एशिया कप 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 183 रन, कॉमनवेल्थ बैंक सीरीज 2012 में श्रीलंका के खिलाफ (लसिथ मलिंगा के अपने बेहतरीन फॉर्म में होने के बावजूद) 133 रन, और वर्ल्ड कप 2023 के लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई 85 रनों की महत्वपूर्ण पारी शामिल थी।



कोहली के 38वें जन्मदिन पर 'स्टार स्पोर्ट्स' द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में इस दिग्गज बल्लेबाज ने चैंपियंस ट्रॉफी 2013 के फाइनल में खेली गई 43 रनों की उस अहम पारी को चुना, जिसने इंग्लैंड के खिलाफ भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह पारी एजबेस्टन में बारिश से प्रभावित मैच में खेली गई थी, जहां 20-20 ओवर का मुकाबला हुआ और आसमान में बादल छाए हुए थे। जब लगातार विकेट गिर रहे थे, तब कोहली ने 34 गेंदों में 43 रन बनाए (जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था)। विराट की इस पारी की बदौलत भारत 20 ओवर में 129/7 के स्कोर तक पहुंच सका था और इंग्लैंड को 5 रनों से हराकर खिताब को अपने नाम किया था।

कोहली तब बल्लेबाजी करने आए थे जब टीम का स्कोर 19/1 था। उन्होंने शिखर धवन (31 रन) के साथ 41 रनों की साझेदारी की, लेकिन इसके बाद भारतीय पारी बुरी तरह से लड़खड़ाई गई थी और टीम का स्कोर 66/5 हो गया था। कोहली क्रीज पर डटे रहे और 19वें ओवर में आउट हुए। विराट के अलावा, रवींद्र जडेजा के 33 रनों की मदद से भारतीय टीम 7 विकेट गंवाकर 129 रनों के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही थी।

शेयर किए गए वीडियो में कोहली ने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ खेली गई अपनी 133 रनों की नाबाद पारी के बजाय, वर्ल्ड कप 2011 फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रनों को चुना। कुछ समय तक यही उनकी पसंद रही, लेकिन बाद में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 43 रनों की पारी को चुना।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप की जीत ने हमें घर-घर में जाना-पहचाना नाम बना दिया: स्मृति मंधाना



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना के मुताबिक घरेलू मैदान पर विमेंस वर्ल्ड कप 2025 जीतने के बाद सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि अब महिला क्रिकेट को काफी सम्मान मिलने लगा है, और खिलाड़ी देश भर में जानी-पहचानी हस्तियां बन गई हैं।

स्मृति ने 'जियोस्टार' से कहा, 'एक तरह से देखा जाए तो बहुत कुछ नहीं बदला है, लेकिन वर्ल्ड कप के बाद पिछले एक साल में महिला क्रिकेट को जो सम्मान मिला है और लोगों की इसमें जो गहरी दिलचस्पी देखने को मिल रही है, वह मेरे लिए वाकई एक सुखद बदलाव है। सभी खिलाड़ियों का घर-घर में जाना-पहचाना नाम बन जाना, सच में बहुत अच्छा लगता है।

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल मैच को याद करते हुए, स्मृति ने बताया कि कैसे बारिश के बावजूद फैंस ने होटल के बाहर आकर टीम को विदाई दी थी।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने एशियाई पैरा गेम्स के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को नई दिल्ली में सेना से जुड़े खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। एशियाई पैरा खेलों में भारतीय सेना के जवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का गौरव बढ़ाया है। पांचवें एशियाई पैरा खेल 2026 में हिस्सा लेने वाले सेना के नौ खिलाड़ियों में से छह ने पदक अपने नाम किए। इनमें एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। इन खेलों में सेना के खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, तैराकी और चक्का फेंक जैसी स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।



सूबेदार सोलैराज डी, वीएसएम ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीतकर देश को बड़ी सफलता दिलाई। वहीं, हवलदार राकेश ने चक्का फेंक और हवलदार कपिल कुमार ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी में रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में सूबेदार एच होकाटो सेमा, एवीएसएम ने गोला फेंक में, सूबेदार अजय कुमार ने 400 मीटर दौड़ में और हवलदार प्रदीप कुमार ने चक्का फेंक में पदक हासिल किया।

सेना प्रमुख ने नायक गजेंद्र की पत्नी सिमरन को भी सम्मानित किया। उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में योगदान दिया। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां इसलिए भी खास हैं, क्योंकि इनमें घायल सैनिकों के दोबारा खेल के मैदान तक पहुंचने का संघर्ष और उनकी मेहनत शामिल है।

भारतीय सेना घायल जवानों के पुनर्वास और उन्हें खेलों में आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इसके तहत आर्टिफिशियल लिम्ब सेंटर और स्पाइनल कॉर्ड इंजरी सेंटर, आर्मी पैरालंपिक नोड के साथ मिलकर काम करते हैं। ये केंद्र घायल सैनिकों को विशेष चिकित्सा सुविधा, कृत्रिम अंग, पुनर्वास और खेलों का व्यवस्थित प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हैं। इससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनते हैं।

इस अवसर पर सेना प्रमुख ने खिलाड़ियों को तैयार करने वाले प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ के योगदान की भी सराहना की। इनमें एथलेटिक्स प्रशिक्षक सूबेदार बिबिन देव और सूबेदार मुर्तजा, शारीरिक क्षमता एवं फिटनेस प्रशिक्षक हवलदार अविनाश ए तथा आर्मी पैरालंपिक नोड के प्रभारी लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह शामिल हैं।

बायर्न म्यूनिख के साथ बने रहेंगे हैरी केन, 2029 तक के लिए बढ़ाया कॉन्ट्रैक्ट



विश्व केसरी ■

म्यूनिख। हाल ही में बैलन डी'ओर अवॉर्ड जीतने वाले हैरी केन ने बायर्न म्यूनिख के साथ अपने कॉन्ट्रैक्ट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। क्लब ने गुरुवार को घोषणा की कि इस नए करार के तहत केन 2029 तक इस जर्मन दिग्गज क्लब के साथ बने रहेंगे।

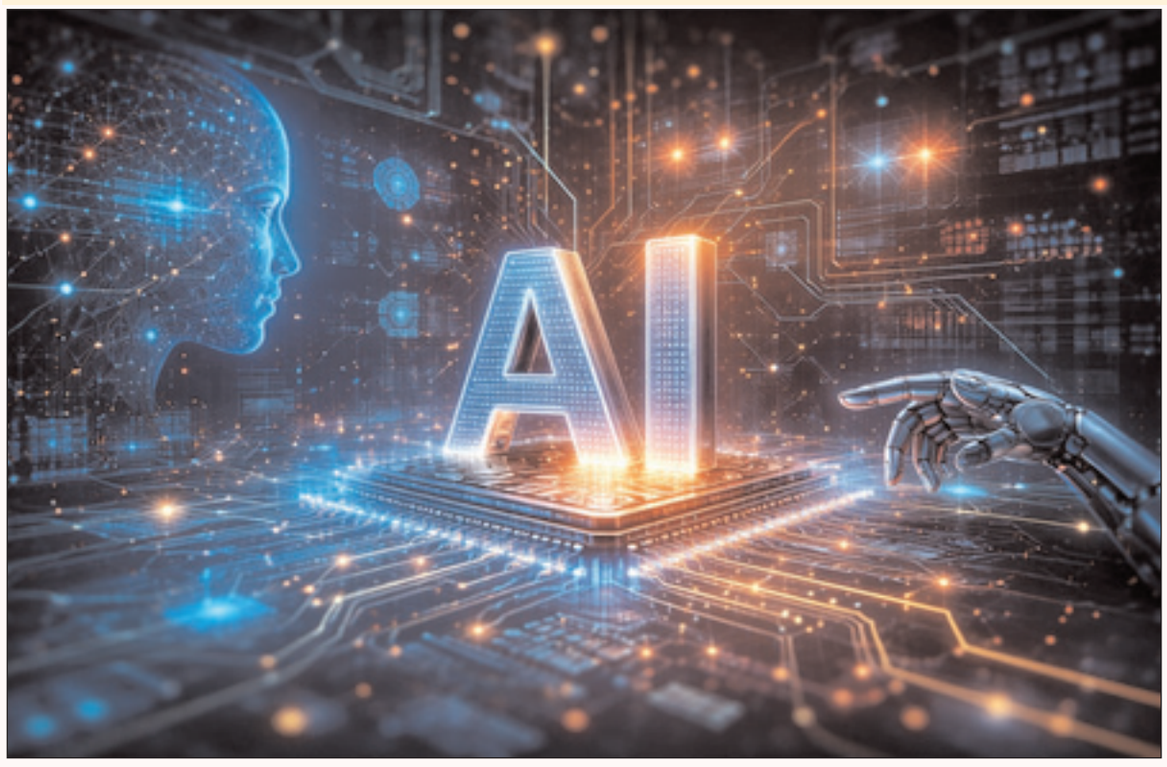
यह करार लैमिन यमल और किलियन एम्बाप्पे को पीछे छोड़कर बैलन डी'ओर जीतने के 10 दिन बाद हुआ है। जर्मन क्लब द्वारा जारी एक बयान में केन ने कहा, 'मैं एफसी बायर्न में बिल्कुल अपने घर जैसा महसूस करता हूं। मुझे यह क्लब, यहां के प्रशंसक और म्यूनिख शहर बहुत पसंद हैं। हमारे पास एक शानदार टीम है और विंसेंट कॉम्पनी के रूप में एक बेहतरीन मैनेजर हैं। इस क्लब का हिस्सा होने पर मुझे बहुत गर्व है। मेरा पूरा परिवार यहां बहुत खुश है। मैं यहीं रुकना चाहता था। अब मैं भविष्य की ओर देख रहा हूं और इस महान क्लब के साथ और भी कई खिताब जीतना चाहता हूं।'

2023 में टोटेनहम हॉटस्पर छोड़ने के बाद से केन ने इस क्लब के लिए 161 मैचों में 156 गोल किए हैं। इंग्लैंड के कप्तान ने पिछले सीजन में 51 मैचों में 61 गोल किए थे। उन्होंने क्लब को बुंडेसलिगा खिताब और डीएफबी-पोकल जिताने में अहम भूमिका निभाई, जिससे क्लब ने लीग और कप दोनों जीते।

क्लब के साथ अपने समय के दौरान केन ने दो बुंडेसलिगा खिताब, एक डीएफबी कप और दो फ्रांज बेकेनबाउर सुपरकप जीते हैं। कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने पर बात करते हुए बायर्न के अध्यक्ष हर्बर्ट हेनर ने इसे एक खास दिन बताया। उन्होंने कहा, 'जो एक बड़े ट्रांसफर के रूप में शुरू हुआ था, वह समय के साथ एफसी बायर्न के इतिहास का एक खास अध्याय बन गया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हैरी केन फुटबॉल की हर उम्मीद पर खरे उतरे हैं।

वैश्विक स्तर पर एआई स्टॉक्स में गिरावट से भारतीय बाजार विदेशी पूंजी को कर सकता है आकर्षितः उदय कोटक



विश्व केसरी ■

मुंबई। दिग्गज बैंकर उदय कोटक ने गुरुवार को कहा कि अगर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में वैश्विक निवेश की तेजी कमजोर पड़ती है, तो भारत में विदेशी पूंजी का नया प्रवाह आ सकता है।

वर्चुअल संबोधन में कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक ने कहा कि वैश्विक कंपनियों ने एआई से जुड़ी अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज लिया है, जिससे कई मामलों में कंपनियों का मूल्यांकन काफी बढ़ गया है।

कोटक ने कहा, 'अगर यह रुझान पलटता है, तो भारत को नई विदेशी पूंजी के प्रवाह का फायदा मिल सकता है, क्योंकि देश अपनी एआई क्षमताओं का विकास कर रहा है।'

वैश्विक स्तर पर एआई से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर दबाव के बाद भारतीय शेयर बाजार अक्टूबर की शुरुआत के अपने निचले स्तर से करीब 10 प्रतिशत की रिकवरी कर चुके हैं। इसी अवधि में टेक कंपनियों पर केंद्रित एशियाई बाजारों में 7 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

उच्च मूल्यांकन, एआई से जुड़े निवेश के सीमित अवसरों और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के बीच विदेशी निवेशकों ने 2026 में अब तक भारतीय बाजारों से रिकॉर्ड 29 अरब डॉलर की निकासी की है।

कोटक ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों के लगातार भरोसे की बदौलत भारतीय शेयर बाजार मजबूती से टिके हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हालिया गिरावट के बाद दूसरे बाजारों की तुलना में भारत के मूल्यांकन का अंतर कम हुआ है। इससे भारतीय शेयर छह से 12 महीने पहले की तुलना में कम महंगे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि देश की मजबूत आर्थिक विकास संभावनाएं अब भी भारत का सबसे बड़ा लाभ हैं।

कोटक ने निवेशकों को सलाह दी कि वे अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के पीछे भागने के बजाय मध्यम अवधि के नजरिये से बेहतर गुणवत्ता वाली कंपनियों और जोखिम प्रबंधन पर ध्यान दें।

वहीं, गुरुवार को भारतीय शेयर बाजारों में जोरदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ क्रमशः 79,465.03 और 24,579.90 के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गए।

कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 1,609.54 अंक यानी 2.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,910.94 पर खुला, जबकि निफ्टी 417.45 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,378.05 पर खुला था।

प्लांट-बेस्ड उत्पाद डेयरी प्रोडक्ट का विकल्प नहीं, पोषक तत्वों की कमी का खतराः अध्ययन



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 'वीगन' इन दिनों ट्रेंड में है। ऐसा ट्रेंड जिसमें डेयरी प्रोडक्ट्स की जगह प्लांट-बेस्ड उत्पादों को तरजीह दी जाती है। दुग्ध उत्पादों का विकल्प बादाम, सोया और ओट्स में तलाश लिया गया है। वीगन जीवनशैली और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को इसकी प्रमुख वजह माना जाता है। हालांकि एक नए अध्ययन ने इस बदलाव को लेकर चिंता जताई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि डेयरी उत्पादों को पूरी तरह या आंशिक रूप से प्लांट-बेस्ड विकल्पों से बदलने पर शरीर में आयोडीन, कैल्शियम, विटामिन बी12 और राइबोफ्लेविन जैसे जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो सकती है।

यह अध्ययन 'द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ' जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इसमें ब्रिटेन के बाजार में उपलब्ध 289 प्लांट-बेस्ड उत्पादों का विश्लेषण किया गया। इनमें 146 प्लांट-बेस्ड दूध, 76 दही और 67 पनीर के विकल्प शामिल थे। शोधकर्ताओं ने इन उत्पादों में आयोडीन, कैल्शियम, विटामिन बी12 और विटामिन बी2 (राइबोफ्लेविन) की मात्रा का आकलन किया।

अध्ययन में पाया गया कि इन उत्पादों में पोषक तत्वों की मात्रा और उन्हें अतिरिक्त रूप से मिलाने की प्रक्रिया में काफी अंतर है। जांचे गए उत्पादों में केवल 12 प्रतिशत में आयोडीन, 61 प्रतिशत में कैल्शियम, 46 प्रतिशत में विटामिन बी12 और 19 प्रतिशत में राइबोफ्लेविन मिलाया गया था।

शोधकर्ताओं के अनुसार, डेयरी उत्पादों का एक हिस्सा भी प्लांट-बेस्ड विकल्पों से बदलने पर पोषक तत्वों का सेवन प्रभावित हो सकता है। अध्ययन के मुताबिक, डेयरी उत्पादों की खपत में 20 से 35 प्रतिशत तक की जगह प्लांट-बेस्ड विकल्प लेने पर 14 से 18 वर्ष की लड़कियों में आयोडीन की अपर्याप्त मात्रा का जोखिम 54 प्रतिशत से बढ़कर 65 प्रतिशत हो सकता है।

वहीं, 19 से 49 वर्ष की महिलाओं में यह आंकड़ा 32 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यदि डेयरी उत्पादों को पूरी तरह प्लांट-बेस्ड विकल्पों से बदल दिया जाए तो किशोरियों में आयोडीन की अपर्याप्त मात्रा का जोखिम 80 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है।

कैल्शियम को लेकर भी अध्ययन में चिंता जताई गई है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यदि सभी डेयरी उत्पादों की जगह प्लांट-बेस्ड विकल्प ले लें तो 14 से 18 वर्ष के लड़कों में कैल्शियम की अपर्याप्त मात्रा का जोखिम 30 प्रतिशत से बढ़कर 47 प्रतिशत और लड़कियों में 54 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत हो सकता है।

इसी तरह, विटामिन बी2 की अपर्याप्त मात्रा का जोखिम भी बढ़ सकता है। डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बदलने की स्थिति में 19 से 49 वर्ष के पुरुषों में यह आंकड़ा 14 प्रतिशत से बढ़कर 26 प्रतिशत और महिलाओं में 29 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया है।

रोज 5 मिनट करें अर्ध तितली आसन, कूल्हे-पेल्विक में बढ़ेगा ब्लड फ्लो, मिलेंगे ये फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग में ऐसे कई आसन हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत और मन को शांत करते हैं। इन्हीं में से एक है- 'अर्ध तितली आसन'। यह आसन खासतौर पर कूल्हों, जांघों और पीठ के निचले हिस्से को खोलने और लचीला बनाने के लिए किया जाता है।

अर्ध तितली आसन एक आसान और शुरुआती स्तर का योगासन है, जिसे अंग्रेजी में 'हाफ बटरफ्लाई पोज' कहा जाता है। इसमें एक पैर सीधा रखा जाता है जबकि दूसरे पैर को मोड़कर तितली के पंख की तरह चलाया जाता है। यह शरीर की जकड़न को दूर करता है, पाचन को बेहतर बनाता है और मन को शांति देता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्ध तितली आसन एक सरल और प्रभावी बैठने वाला योगासन है।

यह पेट के अंगों को उत्तेजित कर पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

जो लोग लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं, उनके लिए यह आसन किसी वरदान से कम नहीं है। यह शरीर की जकड़न को दूर करता है, पाचन को बेहतर बनाता है और मन को शांति देता है।

अर्ध तितली आसन का अभ्यास करने से कूल्हों और पेल्विक क्षेत्र में रक्त का प्रवाह तेज होता है। दरअसल, जब हम 'अर्ध तितली आसन' में बैठते हैं, तो एक पैर मुड़ा हुआ और दूसरा पैर सामने फैला हुआ होता है। इस स्थिति में कूल्हों के जोड़ पर हल्का खिंचाव पड़ता है। यह खिंचाव वहां जमा हुई जकड़न को खोलता है।

लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने से कूल्हों और पेल्विक एरिया की मांसपेशियां टाइट हो जाती हैं, जिससे वहां खून का प्रवाह धीमा पड़ जाता है। अर्ध तितली आसन इस टाइटनेस को धीरे-धीरे दूर करता है। आसन में बैठने से पेल्विक क्षेत्र की नसों और मांसपेशियों पर हल्का दबाव पड़ता है और छोड़ने पर वहां ताजा ऑक्सीजन युक्त खून तेजी से पहुंचता है।

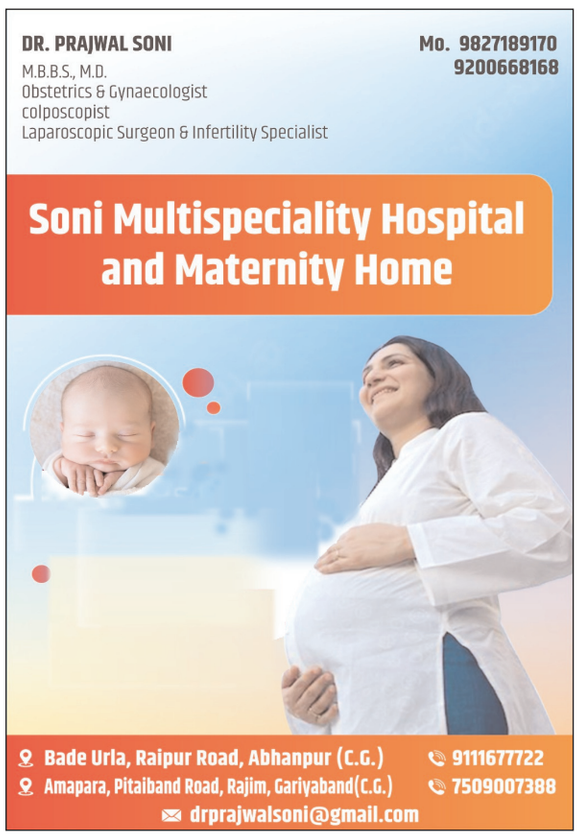
किसी भी व्यक्ति के घुटनों, टखनों या कूल्हों में गंभीर चोट या दर्द है, तो इस आसन को करने से बचें। अभ्यास के दौरान शरीर पर ज्यादा जबरदस्ती या झटका न दें।



















हिंद-प्रशांत में समुद्री सुरक्षा पर 20 देशों का मंथन, भारतीय नौसेना का संवाद समापन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत बनाने, महासागरों के बेहतर प्रबंधन और नई समुद्री तकनीकों के जिम्मेदार इस्तेमाल के लिए 20 देशों के विशेषज्ञ साथ आए हैं। भारतीय नौसेना का यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक संवाद 'हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद-2026' (आईआरपीडी-2026) था। गुरुवार को नई दिल्ली में यह सम्मेलन संपन्न हो गया।



सम्मेलन में 20 देशों के 40 से अधिक विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। यहां समुद्री विज्ञान, तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में आपसी साझेदारी के जरिए क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के व्यावहारिक रास्तों पर चर्चा हुई।

भारतीय नौसेना ने राष्ट्रीय समुद्री फाउंडेशन के सहयोग से इस वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। इसका मुख्य विषय 'हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और शैक्षणिक सहयोग' था। तीन दिनों तक चले इस संवाद में पांच प्रमुख सत्रों और वरिष्ठ स्तर की चर्चाओं के माध्यम से समुद्री सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया।

सम्मेलन के अंतिम दिन चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। अंतिम दिन का एक प्रमुख सत्र 'महासागर प्रशासन और समुद्री मजबूती के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण' विषय पर केंद्रित रहा। इसमें इस बात पर चर्चा हुई कि समुद्र से जुड़े वैज्ञानिक ज्ञान और विशेषज्ञता को बेहतर समुद्री प्रबंधन तथा नीतिगत फैसलों से कैसे जोड़ा जाए।सत्र में फिलीपींस विश्वविद्यालय की प्रोफेसर देव फ्लोरेंस ओंडा ने समुद्री प्रशासन के क्षेत्र में फिलीपींस के अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए सहयोगात्मक योजना पर विचार रखे। अंतरराष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण की पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ डॉ. मैरी बोरेल-मैककिनन ने गहरे समुद्र में अनुसंधान के लिए समान भागीदारी और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन पर चर्चा की।

वहीं, आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) के रामराज नरसिम्हन ने द्वीपीय देशों के बुनियादी ढांचे को आपदाओं से सुरक्षित बनाने के लिए चलाए जा रहे आईआरआईएस कार्यक्रम के क्रियान्वयन की जानकारी दी। स्वीडन की फ्यूचर मैरीटाइम की सोफिया फर्स्टेनबर्ग-स्टॉट ने समुद्री विज्ञान और जहाजरानी गतिविधियों के बीच बेहतर तालमेल बनाने की जरूरत पर विचार रखे।

सम्मेलन का अंतिम सत्र तेजी से बदलती समुद्री तकनीकों और उनके दोहरे इस्तेमाल से जुड़े पहलुओं पर केंद्रित रहा। इसमें एआई और क्वांटम तकनीक जैसी उभरती तकनीकों के समुद्री क्षेत्र में इस्तेमाल तथा उनके जिम्मेदार उपयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर चर्चा हुई। जर्मनी स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की डोंगयून चो ने समुद्री क्षेत्र में एआई और क्वांटम तकनीक को लेकर हिंद-प्रशांत देशों के बीच सहयोग का व्यावहारिक ढांचा तैयार करने पर विचार रखे।

ब्रुसेल्स स्कूल ऑफ गवर्नेंस की डॉ. ईवा पेजसोवा ने दोहरे इस्तेमाल वाली समुद्री तकनीकों के जिम्मेदार प्रबंधन के लिए यूरोपीय संघ और हिंद-प्रशांत देशों के बीच सहयोग के तरीकों पर चर्चा की। दक्षिण अफ्रीकी नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी कैप्टन मार्क ब्लेन ने छोटी और मध्यम आकार की नौसेनाओं को इन नई तकनीकों के अनुरूप तैयार करने के लिए सहयोग का रोडमैप प्रस्तुत किया।

वहीं, भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त कमोडोर अरुण गोलाया ने इन तकनीकों को जिम्मेदारी से अपनाने के लिए विभिन्न देशों की नौसेनाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग पर जोर दिया। चर्चा में इस बात पर भी विचार किया गया कि अलग-अलग संसाधनों और क्षमताओं वाले देश नई तकनीकों के विकास और इस्तेमाल में किस तरह भागीदार बन सकते हैं। इसके लिए संयुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण और संस्थागत सहयोग को महत्वपूर्ण बताया गया।

सेना प्रमुख ने एशियाई पैरा गेम्स के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को नई दिल्ली में सेना से जुड़े खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। एशियाई पैरा खेलों में भारतीय सेना के जवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का गौरव बढ़ाया है। पांचवें एशियाई पैरा खेल 2026 में हिस्सा लेने वाले सेना के नौ खिलाड़ियों में से छह ने पदक अपने नाम किए। इनमें एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। इन खेलों में सेना के खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, तैराकी और चक्का फेंक जैसी स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सूबेदार सोलैराज डी, वीएसएम ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीतकर देश को बड़ी सफलता दिलाई। वहीं, हवलदार राकेश ने चक्का फेंक और हवलदार कपिल कुमार ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी में रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में सूबेदार एच होकाटो सेमा, एवीएसएम ने गोला फेंक में, सूबेदार अजय कुमार ने 400 मीटर दौड़ में और हवलदार प्रदीप कुमार ने चक्का फेंक में पदक हासिल किया।

सेना प्रमुख ने नायक गजेंद्र की पत्नी सिमरन को भी सम्मानित किया। उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में योगदान दिया। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां इसलिए भी खास हैं, क्योंकि इनमें घायल सैनिकों के दोबारा खेल के मैदान तक पहुंचने का संघर्ष और उनकी मेहनत शामिल है।

भारतीय सेना घायल जवानों के पुनर्वास और उन्हें खेलों में आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इसके तहत आर्टिफिशियल लिम्ब सेंटर और स्पाइनल कॉर्ड इंजरी सेंटर, आर्मी पैरालंपिक नोड के साथ मिलकर काम करते हैं। ये केंद्र घायल सैनिकों को विशेष चिकित्सा सुविधा, कृत्रिम अंग, पुनर्वास और खेलों का व्यवस्थित प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हैं। इससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनते हैं।

इस अवसर पर सेना प्रमुख ने खिलाड़ियों को तैयार करने वाले प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ के योगदान की भी सराहना की। इनमें एथलेटिक्स प्रशिक्षक सूबेदार बिबिन देव और सूबेदार मुर्तजा, शारीरिक क्षमता एवं फिटनेस प्रशिक्षक हवलदार अविनाश ए तथा आर्मी पैरालंपिक नोड के प्रभारी लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह शामिल हैं। इस मुलाकात के जरिए सेना ने घायल सैनिकों के पुनर्वास, उन्हें खेलों के समान अवसर उपलब्ध कराने और प्रतिस्पर्धी खेलों में आगे बढ़ने के लिए लगातार सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

राष्ट्रपति भवन में चेंज ऑफ गार्ड' समारोह का समय बदला, 7 नवंबर से सुबह 8 बजे होगा आयोजन

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में हर शनिवार को होने वाला 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह 7 नवंबर से सुबह 8 बजे से 9 बजे के बीच आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान जारी किया गया।

यह नया समय, सर्दियों के लिए तय किए गए वार्षिक कार्यक्रम का हिस्सा है। इस पारंपरिक समारोह में भारतीय सशस्त्र बलों की सटीकता, अनुशासन और विरासत की झलक देखने को मिलती है। दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में होने वाले 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह का गर्मियों का समय सुबह 7:30 बजे से 8:30 बजे तक था।

यह समारोह राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित किया जाता है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आते हैं, जिनमें पर्यटक, छात्र और आम नागरिक शामिल होते हैं। वे मार्च करते सैनिकों के दस्तों, मिलिट्री बैंड और अलग-अलग यूनिटों के बीच औपचारिक रूप से जिम्मेदारियों के हस्तांतरण के इस शानदार नजारे को देखने आते हैं।

'चेंज ऑफ गार्ड' एक औपचारिक सैन्य समारोह है, जो दुनिया भर की कई प्रमुख जगहों पर आयोजित किया जाता है। इनमें लंदन का बकिंघम पैलेस, दिल्ली का राष्ट्रपति भवन और अमेरिका के अर्लिंग्टन में 'टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर' (अज्ञात सैनिक की समाधि) शामिल हैं।

यह समारोह परंपरा को दर्शाता है, जिसमें सैनिक एक भव्य सार्वजनिक प्रदर्शन के दौरान औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारियां दूसरों को सौंपते हैं। दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में 30 मिनट का यह 'चेंज ऑफ गार्ड' समारोह हर शनिवार सुबह आयोजित किया जाता है। अगर शनिवार को कोई सरकारी छुट्टी (गजेटेड हॉलिडे) हो, या राष्ट्रपति भवन की ओर से ऐसा कोई निर्देश दिया जाए, तो उस दिन यह समारोह आयोजित नहीं किया जाता है।

नए वोटरों के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाएगा चुनाव आयोग

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से छूट गए लोगों और नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि जिन लोगों के नाम एसआईआर के दौरान या उसके बाद मतदाता सूची से छूट गए हैं, वे संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास आवेदन कर सकते हैं। इसमें युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाता भी शामिल हैं।

आयोग के मुताबिक, अब तक बिहार और पश्चिम बंगाल समेत 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। मतदाता सूची के निरंतर अद्यतन की प्रक्रिया के तहत छूटे हुए मतदाताओं के नाम शामिल किए जा सकते हैं। आयोग ने सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को इस प्रक्रिया में सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। साथ ही सीईओ, जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और ईआरओ को ऐसे मतदाताओं के पंजीकरण के लिए तत्काल विशेष अभियान शुरू करने को कहा गया है। चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में आंतरिक कार्य आवंटन और एक अधिकारी की कार्यप्रणाली को लेकर उठे सवालों पर भी स्पष्टीकरण दिया है। आयोग ने कहा कि कैबिनेट सचिव को लिखा गया पत्र आयोग या उसके आईटी विभाग से संबंधित किसी नीतिगत मामले को लेकर नहीं था, बल्कि निर्वाचन आयोग में प्रतिनियुक्ति पर तैनात एक अधिकारी के कामकाज से संबंधित था। आयोग के अनुसार, संबंधित अधिकारी की ओर से जारी कार्य पुनर्वितरण के आदेशों को दोनों निर्वाचन आयुक्तों के निर्देश के बाद लागू नहीं किया गया था।

सत्य निकेतन इमारत हादसे में कार्रवाई छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सत्य निकेतन में इमारत ढहने के मामले में छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को पटियाला हाउस कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की, जिसमें छह लोगों को नामजद किया गया है। इन पर लापरवाही, गैर-इरादतन हत्या और अन्य अपराधों के तहत आरोप लगाए गए हैं।

दरअसल, दिल्ली के एक पॉश इलाके में 6 सितंबर को एक पीजी हॉस्टल की इमारत ढह गई, जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

यह पांच मंजिला इमारत तब ढही, जब इसके बेसमेंट में कुछ काम चल रहा था और बारिश के बाद ग्राउंड फ्लोर की मरम्मत की जा रही थी। किराए पर रह रहे कई छात्र मलबे के नीचे फंस गए थे, जिन्हें बाद में एनडीआरएफ, दिल्ली पुलिस और अन्य टीमों ने मिलकर बाहर निकाला। इस घटना के बाद, साउथ कैंपस पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर दर्ज की गई।

दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में हरि राम गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, महेश गुप्ता, सनोज कुमार, सुधांशु लवनीश कुमार और शुभम त्यागी के नाम शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस ने इन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराएं लगाई हैं। इनमें लापरवाही से इंसानी जान खतरे में डालना, गैर-इरादतन हत्या, निर्माण या मरम्मत कार्य के दौरान लापरवाही, चोट पहुंचाना और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे आरोप शामिल हैं।

दीपावली से पहले दिल्ली के बाजारों में उमड़ी भारी भीड़, भागीरथ पैलेस से लेकर लाजपत नगर तक लाइट्स से जगमगाए

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दीपावली से पहले दिल्ली के भागीरथ पैलेस इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ग्राहक सजावटी लाइट्स, एलईडी बल्ब, रंग-बिरंगी झालरें और अन्य फेस्टिव इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने के लिए दुकानों पर पहुंच रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक, त्योहारी खरीदारी के चलते कारोबार में जबरदस्त तेजी है।

एक ग्राहक ने कहा कि बहुत ज्यादा भीड़ है। लगभग दो घंटे हो गए घूमते हुए। ये ऐसा त्योहार है, जिसका हर कोई आनंद लेता है। मैंने बहुत सारे सामानों की खरीदारी की है। घर के लिए लाइटें और बिजली का कुछ सामान लेना है, वही सब ढूंढ रहे हैं। मैं तो कहूंगा कि बच्चों को साथ लेकर नहीं आएं।

धनतेरस और दीपावली से पहले पीतमपुरा मार्केट रोशनी से जगमगा उठा है। खूबसूरती से सजी दुकानें, रंग-बिरंगी लाइट्स, डिजाइनर एलईडी डिस्प्ले और चमकदार फेस्टिव सजावट से बाजार में खरीदारी का बेहद जीवंत माहौल बना हुआ है।

दीपावली से पहले लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट में खरीदारी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। बड़ी संख्या में लोग फेस्टिव शॉपिंग के लिए बाजार में पहुंच रहे हैं। वहीं, दिल्ली पुलिस अलर्ट पर है, सुरक्षा के लिए जवान तैनात किए गए हैं। बाजार की ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी निगरानी की जा रही है। बाजारों में बढ़ी भीड़ का असर ट्रैफिक पर भी साफ दिख रहा है। भागीरथ पैलेस, लाजपत नगर और पीतमपुरा के आसपास की सड़कों पर शाम होते ही वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। पार्किंग फुल होने से लोगों को दूर तक पैदल चलकर बाजार पहुंचना पड़ रहा है। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई जगह बैरिकेडिंग और ट्रैफिक डायवर्जन की व्यवस्था की है, ताकि खरीदारों को ज्यादा परेशानी न हो। वहीं, इस भीड़ से व्यापारियों के चेहरे खिल उठे हैं। दुकानदारों का कहना है कि पिछले कुछ सालों की तुलना में इस बार बिक्री काफी बेहतर है। इलेक्ट्रॉनिक सामान, लाइट्स, कपड़े, गिफ्ट आइटम्स और सजावट के सामान की मांग सबसे ज्यादा है।

केरल पीएससी नेतृत्व को हटाने की मांग लेकर राष्ट्रपति मुर्मु के पास पहुंचा भाजपा प्रतिनिधिमंडल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भाजपा केरल अध्यक्ष और विधायक राजीव चंद्रशेखर के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर केरल लोक सेवा आयोग (पीएससी) के अध्यक्ष एमआर बैजू और अन्य सदस्यों को पद से हटाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने उन पर भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितता, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के आरोप लगाए हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति से आग्रह किया कि वह केरल के पूर्व राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर द्वारा भेजी गई कथित सिफारिश पर कार्रवाई करें और संविधान के अनुच्छेद 317 के तहत प्रक्रिया शुरू करें। भाजपा नेताओं ने कहा कि आयोग के खिलाफ लगे आरोप गंभीर हैं और इनकी जांच पहले से ही अपराध शाखा की विशेष जांच टीम (एसआईटी) तथा केरल हाई कोर्ट की निगरानी में हो रही है।

प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के आचरण की जांच के लिए मामले को सुप्रीम कोर्ट भेजने की मांग भी की।

इस प्रतिनिधिमंडल में राज्यसभा सदस्य सी. सदानंदन और पीटी उषा भी शामिल थीं। उन्होंने 13 जुलाई 2023 को केरल राज्य योजना बोर्ड के वरिष्ठ पदों की भर्ती परीक्षा को कथित हेरफेर का प्रमुख उदाहरण बताया।

पत्र के अनुसार, 228 उम्मीदवारों की उत्तर पुस्तिकाओं में 58 अंकों के 10 प्रश्नों का मूल्यांकन नहीं किया गया था। आरोप है कि इससे प्रथम रैंक हासिल करने वाले उम्मीदवार को लाभ पहुंचा।

भाजपा नेताओं ने यह भी कहा कि एसआईटी को पीएससी परीक्षाओं से जुड़ी 180 शिकायतें मिली हैं और जांच के लिए नौ परीक्षाओं की पहचान की गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक संरक्षण, पक्षपात और पिछला दरवाजा (बैकडोर) से की गई नियुक्तियों ने इस संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि लाखों नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थी सरकारी नियुक्तियों का इंतजार कर रहे हैं, जबकि अनियमितताओं के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने पीएससी सदस्यों को मिलने वाले बड़े वेतन और अन्य सुविधाओं पर भी सवाल उठाए।

बैंक धोखाधड़ी मामले में 18 वर्ष से फरार आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में 18 वर्ष से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

सीबीआई ने अपने एक आधिकारिक बयान में बताया कि सीबीआई ने गुरुवार को बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में बिहार के पुनपुन से फरार और घोषित अपराधी राजा बिहारी को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने बताया कि सीबीआई ने आईपीसी और पीसी एक्ट, 1988 की धाराओं के तहत राजा बिहारी सहित 21 आरोपियों के खिलाफ बैंक धोखाधड़ी का यह मामला दर्ज किया था।

आरोपी राजा बिहारी ने बैंक अधिकारियों और बिचौलियों के साथ मिलीभगत करके, इलाहाबाद बैंक (पाटलिपुत्र कॉलोनी शाखा, पटना) से जाली टाइटल डीड, फर्जी संपत्ति दस्तावेजों और नकली गारंटर क्रेडेंशियल्स के आधार पर सीसी लोन लिया था।

इस मामले से संबंधित जांच के बाद सीबीआई ने 30 अक्टूबर 2009 को राजा बिहारी सहित 21 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। अदालत ने 12 नवंबर 2009 को इस चार्जशीट का संज्ञान लिया। हालांकि, आरोपी राजा बिहारी जांच में शामिल नहीं हुआ। वह शुरुआत से ही फरार रहा और मुकदमे की कार्यवाही से बचता रहा।बाद में सक्षम अदालत ने आरोपी को 'घोषित अपराधी' करार दिया। वहीं, खुफिया जानकारी और लगातार प्रयासों के आधार पर सीबीआई की एक विशेष टीम ने गुरुवार को बिहार के पुनपुन से घोषित अपराधी राजा बिहारी को ढूंढ निकाला और गिरफ्तार किया। एक अन्य मामले में सीबीआई ने बुधवार को दिल्ली पुलिस के वांछित भगोड़े सजीर पल्ली मूप्पम को विदेश मंत्रालय (एमईए), गृह मंत्रालय (एमएचए) और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर यूएई से भारत लाने में बड़ी सफलता हासिल की।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415